दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 361 | ग्वालियर, बुधवार 11, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

राहुल गांधी सच बोल रहे हैं कांग्रेस नेता के इस बयान को मिला डिंपल यादव का समर्थन

उत्तर प्रदेश स्थित मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान का समर्थन किया है. फिलहाल अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी ने कहा था कि भारत में चुनाव ठीक तरीके से नहीं हुए.राहुल गांधी के बयान पर डिंपल ने कहा कि राहुल गांधी सच बोल रहे हैं इसलिए भाजपा को उनसे तकलीफ हो रही है जब भी कोई सच बोलता है तो उससे भाजपा को तकलीफ होती है.सच बोलने के लिए

कोई जगह नहीं देखी जाती है सच सच होता है.यूपी में 10 सीटों के उपचुनाव पर डिंपल ने कहा कि आने वाले उपचुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। हमारे प्रदेश को आज पड़े लिखे मुख्यमंत्री की जरुरत है ताकि प्रदेश को आगे बढ़ाया जा सके.यूपी में एनकाउंटर सपा नेता ने कहा कि एनकाउंटर की प्रथा बहुत गलत है भाजपा सरकार संविधान को खत्म करना चाहती है। एनकाउंटर के माध्यम से आज लोगों के मन में भय भरा जा रहा है.

यूपी की सात और विधानसभा सीटों पर होंगे उपचुनाव? सपा विधायकों की मुलाकात ने बढ़ाया सियासी पारा

लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और समाजवादी पार्टी के 10 विधायकों ने जीत दर्ज की थी. यूपी में करहल, मिल्कीपुर, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर विधानसभा सीटों के विधायक, अब लोकसभा के सदस्य बन चुके हैं. इन सभी 10 सीटों को विधानसभा की ओर से खाली भी घोषित कर दिया गया है. भारत निर्वाचन आयोग इन सीटों पर उपचुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर सकती है. इस बीच खबर है कि यूपी की सात और सीटों पर उपचुनाव की स्थिति बन सकती है.दरअसल, साल 2024 की फरवरी में यूपी में 10 सीटों पर राज्यसभा के चुनाव हुए थे. इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 8 और समाजवादी पार्टी ने 3 उम्मीदवार उतारे थे. मतदान वाले दिन सपा के सात विधायकों पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी, राकेश प्रताप सिंह, राकेश पांडेय, अभय सिंह, आशुतोष मौर्य और मनोज पांडेय बागी हो गए. इन सभी सात विधायकों के संदर्भ में दावा किया गया

सीएम जब बंद कमरे में हों तो राज्य का क्या होगा? यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव का नीतीश कुमार पर बड़ा हमला

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव की आभार यात्रा आज मंगलवार (10 सितंबर) को समस्तीपुर से शुरू हुई. कार्यक्रम को लेकर तेजस्वी प्रसाद यादव सोमवार की रात ही समस्तीपुर पहुंचे. वहीं यात्रा से पहले मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि स्वर्गीय कर्पुरी ठाकुर की धरती से आज कर्यकर्ता संवाद को लेकर आभार यात्रा निकाल रहे हैं. इसमें हम जिलों की समस्या को कार्यकर्ताओं के माध्यम से सुनेंगे. साथ ही कार्यकर्ताओं की जो समस्या और विचार है इनको भी जानेंगे.तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि हमारा मकसद है कार्यकर्ताओं से मिलकर जो बिहार की जमीनी हकीकत है, बिहार के लोगों की जो समस्या है, उसको समझ सकेंगे. साथ ही साथ पार्टी को भी मजबूत करें. बिहार में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, गरीबी है, प्रति व्यक्ति आय कम है, 94 लाख परिवार बिहार में ?रीबी रेखा के नीचे हैं. जब बिहार में महागठबंधन सरकार थी, उसमें जाति जनगणना के साथ-साथ हर वर्ग के लोगों का डेटा पास आया था. इस आधार पर योजना चलना था उन परिवारों को सालाना दो लाख देने की योजना भी थी. भूमिहीनों को घर बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपये देने की योजना तैयार थी. तेजस्वी ने कहा कि हम लोगों ने आरक्षण भी

बढ़ाने का काम किया, जो देश भर में सबसे ज्यादा आदिवासी को 65 प्रतिशत दिया, लेकिन आप लोग सब जान रहे हैं कि क्या हुआ जिसका डर था वही हुआ. हम लोग आरक्षण को शेड्यूल 9 में डालना चाहते थे. लेकिन हुआ नहीं आज इसी सिलसिले में हम लोग आए हैं और नया बिहार बनाने में में कार्यकर्ताओं का साथ और विश्वास चाहिए. लोगों से मिलकर हम लोग नया बिहार बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे, ताकि बिहार के लोगों की तरक्की हो बिहार आगे बढ़े. पलायन सबसे बढा मुद्दा है.वहीं जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार के दिए गए बयान ग्राहक खोजो यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि वह लोग क्या बताएंगे, क्योंकि मुख्यमंत्री कभी तो संवाद करते नहीं है. अच्छा होता कभी मुख्यमंत्री जनता से नहीं कभी अपने कार्यकर्ताओं से संवाद कर लेते. कहीं योजना भी होती है तो उसमें भी अब वह भाषण नहीं देते हैं. कोई कार्यक्रम को लेकर अब तो चार लोग हैं, उन्हीं के पीछे वह घूमते रहते हैं बंद कमरे में रहते हैं. अब जो आदमी नहीं निकलेगा राज्य का मुख्यमंत्री बंद कमरे में रहेंगे तो उस पर हम क्या टिप्पणी कर सकते हैं. देखा जाए तो कटाक्ष हो या कुछ भी हो उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है. लेकिन जो मेरी जिम्मेवारी है उसको मैं करता रहूंगा और कौन क्या कह रहा है, उससे फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन बिहार में इतना अपराध बढ़ गया है दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है. कहीं घर में घुसकर गोली मार दी जाती है. तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री का इकबाल खत्म हो चुका है. पूरे बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ गया है. वही समस्तीपुर में बीएससी सूचक फर्जीवाड़ा मामले को लेकर कहा कि जब हम लोग सत्ता से हटे तो पेपर लीक ही हो गया. नीट का पेपर लीक हो गया. दोषी कौन है किस पे कार्यवाई हो रही है. बिहार में लगातार पुल पुलिया गिरे जा रहें है. कार्रवाई किस पे हो रही है. जब से डबल इंजन की सरकार बनी है, दो-दो उपमुख्यमंत्री हैं. सिर्फ सत्ता में रहकर मलाई खाने का काम कर रहे हैं.

एमपी में दी जा रही निःशुल्क रोजगारपरक शिक्षा, जानिए किन छात्रों को मिल रही सुपर-100 योजना का लाभ

मध्य प्रदेश सरकार माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं बोर्ड परीक्षा में 70 फीसद अंक लाने वाले छात्रों के लिए सुपर-100 योजना चला रही है. सुपर-100 योजना के तहत साल 2023-24 में 600 छात्रों को निशुल्क प्रशिक्षण दिलाया गया है. मध्य प्रदेश सरकार का फोकस व्यावसायिक पाठ्यक्रम के जरिए छात्रों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देना है.मंशा छात्रों में स्किल डेवलपमेंट के साथ-साथ बेरोजगारी की समस्या कम करना है. वर्तमान में स्कूल शिक्षा विभाग सुपर-100 योजना इंदौर और भोपाल में चला रहा है. प्रशिक्षण देने की व्यवस्था शासकीय मल्हार आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंदौर और शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल में की गई है. पिछले साल सुपर-100 योजना के तहत 600 छात्रों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा हुआ. सरकार का दावा है कि पिछले

साल जेईई मेन में 27, जेईई एडवांस में पांच, नीट में 38, सीए फाउंडेशन में 22 छात्रों ने कामयाबी का परचम लहराया. इंदौर में गणित संकाय में ग्यारहवीं के 5, जीव विज्ञान संकाय में 51, क्लेट संकाय में 50 छात्रों को प्रशिक्षण दिलाया गया. शासकीय मल्हार आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 12वीं के छात्रों को भी अलग अलग संकायों में प्रशिक्षण दिलाया गया.गणित संकाय में 48, जीव विज्ञान संकाय में 49 और क्लेट संकाय में 47 छात्रों को एडमिशन के लिए कोचिंग दिलाई गई. शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल में भी छात्रों को प्रशिक्षण दिलाया गया. कक्षा कक्षा ग्यारहवीं, 12वीं के 304 छात्रों को निशुल्क कोचिंग दिलाई गई. भोपाल में गणित संकाय में ग्यारहवीं के 51, जीव विज्ञान संकाय में 51 और 50 छात्रों को क्लेट संकाय में प्रशिक्षण दिलाया गया.

एमपी के रीवा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने का रास्ता साफ,सीएम मोहन यादव ने जताई खुशी

मध्य प्रदेश के लिए खुशी की खबर है. रीवा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है. नागर विमानन महानिदेशालय ने रीवा एयरपोर्ट को आधिकारिक रूप से लाइसेंस जारी कर दिया है. लाइसेंस मिलने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुशी जताई. बता दें कि रीवा एयरपोर्ट से यात्री विमानों के साथ कार्गो उड़ान सेवा की भी सुविधा मिलेगी.निर्माण का काम पूरा होने के बाद रीवा एयरपोर्ट को डीजीसीए ने परिचालन की अनुमति दे दी है. मध्य प्रदेश के रीवा में छठा हवाई अड्डा शुरू होने जा रहा है. हवाई अड्डा के लिए एयरपोर्ट

अथॉरिटी ऑफ इंडिया और पुणे इंफ्रा कंपनी के बीच हुए एक साल का एग्रीमेंट हुआ था. रीवा एयरपोर्ट के रनवे की चौड़ाई 30 मीटर और लंबाई 800 मीटर है. रनवे के दोनों तरफ 3.5 मीटर का दो शेल्टर भी बनाया गया है.**रीवा एयरपोर्ट को लाइसेंस मिलने पर क्या बोले मुख्यमंत्री**- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि डीजीसीए से रीवा एयरपोर्ट को मंजूरी मिलना मध्य प्रदेश के लिए खुशखबरी है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी. हवाई मार्ग और भी सुविधाजनक होगा. 102 हेक्टेयर जमीन पर निर्मित रीवा एयरपोर्ट मध्य प्रदेश का छठा एयरपोर्ट है. अभी तक इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और खजुराहो एयरपोर्ट से विमान उड़ान भर रहे थे. अब छठे एयरपोर्ट के रूप में रीवा का नाम सामने आया है. 300 करोड़ रुपये की लागत से रीवा एयरपोर्ट बनाया गया है.

इंदौर के बल्लाकांड में आकाश विजयवर्गीय को क्लीन चिट

, मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बेटे और इंदौर के पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय को नगर निगम अधिकारी की बल्ले से पिटाई के मामले में कोर्ट ने बरी कर दिया है. कोर्ट के फैसले के बाद भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है. इस मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू परटवारी ने आकाश विजयवर्गीय पर निशाना साधा है.कांग्रेस की कमलनाथ सरकार में साल 2019 में नगर निगम के अधिकारी द्वारा साफ सफाई व्यवस्था में ढिलाई बरतने को लेकर तत्कालीन इंदौर के विधायक आकाश विजयवर्गीय का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया था. उस दौरान उन्होंने नगर निगम के अधिकारी पर बल्ला भी उठा लिया था. इस पूरे मामले को लेकर पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया गया, जिसमें आकाश विजयवर्गीय सहित 10 लोगों को आरोपी बनाया गया था. इनमें से एक की मौत हो चुकी है, जबकि कोर्ट ने अब सभी नौ आरोपियों को बरी कर दिया है. इसमें आकाश विजयवर्गीय का नाम भी शामिल हैं. आकाश विजयवर्गीय के बरी होने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हमला बोला है. उन्होंने कहा, ÷जिस बल्लाकांड ने पीएम नरेंद्र मोदी का भी पारा चढ़ा दिया था, उस केस में इंदौर के बल्लेबाज को क्लीन चिट मिल गई.÷ **कांग्रेस को तो किसी पर भी भरोसा नहीं**- बीजेपी प्रदेश बीजेपी के सह मीडिया प्रभारी सचिन सक्सेना के मुताबिक कांग्रेस पार्टी मुद्दा विहीन हो गई है. इसी के चलते कांग्रेस के नेता हर मामले में राजनीति कर रहे हैं उन्हें तो किसी संस्था पर भी भरोसा नहीं रहा है. पटवारी के कार्यकाल में कार्यकर्ताओं से लेकर विधायक तक बीजेपी ज्वाइन कर रहे हैं, बावजूद इसके जीतू पटवारी अपने कार्यशैली बदलने को तैयार नहीं है.

मध्य प्रदेश में एक दिन में कई हादसे, विदिशा, सीहोर और खंडवा में 8 लोग डूबे, परिवार में पसरा मातम

मध्य प्रदेश में विशेष सशस्त्र बल (स्स्र) का एक जवान और एक डॉक्टर सहित आठ लोग डूब गए. अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी दी कि अलग-अलग घटना विदिशा, सीहोर और खंडवा जिलों में हुई. विदिशा की बेतवा नदी के विभिन्न घाट क्षेत्रों में पांच लोग डूब गए. सीहोर जिला स्थित दिगंबर झरने में एक डॉक्टर डूब गया और खंडवा की अग्नि नदी में दो युवती डूब गईं.अधिकारियों ने बताया कि रविवार की घटनाओं के बाद कुछ शव सोमवार सुबह बरामद किये गए. शाहगंज थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि भोपाल के निजी अस्पताल में कार्यरत 28 वर्षीय डॉक्टर अश्विन कृष्णन अय्यर रविवार को हादसे का शिकार हो गये. नहाने के दौरान डॉक्टर दिगंबर झरने में डूब गए. उन्होंने बताया कि राज्य आपदा आपात प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) ने 17 घंटे की सर्च ऑपरेशन के बाद अगली सुबह डॉक्टर का शव बाहर निकाला. **अलग-अलग घटनाओं में डूबने से मौत**-उप-संभागीय पुलिस अधिकारी शशांक गुर्जर ने बताया कि अय्यर दोस्त के साथ पिकनिक मनाने झरने पर गए थे. मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने डॉक्टर को झरने में नहाने से रोका.

डॉक्टर दोस्त के साथ दूसरे रास्ते से झरने में नहाने उतर गये. अधिकारियों ने बताया कि विदिशा में बेतवा नदी के विभिन्न घाटों पर पांच लोग डूब गए. सर्च ऑपरेशन के बाद सोमवार सुबह तीन शव बरामद किए गए. डूबने की घटनाएं बांग्ला, रंगाई और बरी घाटों पर हुईं. एसडीईआरएफ कमांडेंट रश्मि दुबे ने बताया कि 26 वर्षीय संदीप और एसएएफ की 23वीं बटालियन के 30 वर्षीय कांस्टेबल हरेंद्र चौहान की रविवार शाम डूबकर मौत हो गई. दुबे ने बताया कि एसडीईआरएफ ने रविवार को रंगई घाट पर डूबे 18 वर्षीय अंकित अहिरवार और 19 वर्षीय कृष्णा अहिरवार के शव भी बरामद कर लिए हैं. उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में 24 वर्षीय राघवेंद्र चौहान हादसे का शिकार हो गये.बाइक पर सवार चौहान बहन के साथ बरी घाट पुल से गुजरते समय नदी में गिर गया. अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों ने चौहान की बहन को बचा लिया. भाई नदी के तेज बहाव में बह गया. सर्च ऑपरेशन के बाद अगली सुबह शव बरामद किया गया. पुलिस अधीक्षक मनोज राय ने बताया कि खंडवा में आशापुरा पुलिस चौकी अंतर्गत रविवार को 18 वर्षीय दो युवती डूब गयीं. दोनों अग्नि नदी में डुबकी लगाने गयी थीं. उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने ज्योति और शिवानी के शव बरामद कर लिए हैं.

एक नजर...

सादड़ी रक्त दान टिम परिवार के रक्त दान वीरों की मदद से ब्लेड बैक से ही व्यवस्था हुई

पुष्पांजलि टूडे

राजस्थान स्थित पाली जिला से रिपोंटर छगनलाल प्रजापति प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि राजकीय बांगड अस्पताल मे इमरजेन्सी डिलीवरी केस आने पर पुष्पा कुमारी डायाराम प्रजापत खिंदारा गाँव से आऐ राजकीय बांगड अस्पताल मे ब्लेड की इमरजेन्सी जरूरत होने पर सादड़ी रक्त दान टिम परिवार के रक्त दान वीरों की मदद से ब्लेड बैक से ही व्यवस्था हुई। जिसमे रक्त दान, सुरेश जी गोयल को राजस्थान इंडिया न्यूज के रिपोंटर छगनलाल प्रजापत ने जानकारी दी सुरेश गोयल सादड़ी ने सादड़ी रक्त दान टिम परिवार के सभी रक्त दानवीरो सहायता मे रवि मैवाड़ा, सोजत ,धनराज प्रजापत पाली, विक्रम आदिवाल घाणेराव, अजय जैन जवाली, इन सभी रक्त दानवीरो की सहायता से ब्लेड की व्यवस्था हूई। उसके लिए रिपोंटर छगनलाल प्रजापत ने आभार व्यक्त किया।

दतिया पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई में शिकायतो को गंभीरतापूर्वक से सुना गया, शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु आवेदकों को आश्वस्त किया

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

दिनांक 10.09.2024 दिन-मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में जनसुनवाई आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र कुमार मिश्रा द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों आवेदकों की शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से गंभीरतापूर्वक सुना गया और संबंधित राजपत्रित अधिकारी (पुलिस)/थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी को त्वरित जॉच कर आवेदक की शिकायत का निराकरण किये जाने के आदेश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि जन सुनवाई के दौरान आने वाले नागरिकों के साथ शिष्ट एवं विनम्र व्यवहार किया जावे। प्रत्येक आवेदक की शिकायतो को ध्यानपूर्वक सुना जाकर एवं निराकरण हेतु सकारात्मक कार्यवाही की जावे। जनसुनवाई के दौरान निरीक्षक रामराजा तिवारी एवं मीडिया सेल प्रभारी उप निरीक्षक श्रद्धा राजा चौहान उपस्थित रहें।

ई ऑफिस पर उत्कर्ष कार्य करने वाले कर्मचारियों को जिला अधिकारी द्वारा किया गया सम्मानित

डिवीजन ब्यूरो एसके माथुर

एटा शासन के निर्देश के क्रम में जनपद के कलक्ट्रेट कार्यालयों, पटलों की सभी नव पत्रावलियों को ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। अतिशीघ्र विकास भवन स्थित समस्त कार्यालयों में भी फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से से सचांलित की जायेंगी। इसी क्रम में जिलाधिकारी महोदय प्रेम रंजन सिंह द्वारा आज कलक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में ई-ऑफिस के माध्यम से 100 फाइलें प्रस्तुत करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। द्वजलाधिकारी महोदय द्वारा 100 से अधिक फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से प्रस्तुत करने पर कलक्ट्रेट में कार्यरत मनोज दीक्षित, हरिनन्दन सिंह, विनीत कुमार, एश्वर्य प्रताप, अभिषेक श्रीवास्तव, शिवानी वर्मा, दुर्वेश कुमार को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा ई-ऑफिस के संचालन में महत्वपूर्ण दायित्व निर्वहन करने पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी संजय कुमार, स्वरूप पण्डा को भी प्रशस्त्री पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश आदि मौजूद रहे।

सुजीत देव वाष्णेय हुए निर्वरोध निर्वाचित

डिवीजन ब्यूरो एसके माथुर एटा

एटा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (मिश्रा गुट) का आगरा मे प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन किया गया , जिसमे एटा के बहुत ही तेज तर्रार वरिष्ठ व्यापारी नेता रहे स्व. सुरेन्द्र पाल चंचल के भतीजे सुजीत देव वार्ष्णेय को निर्वि रोध प्रदेश संगठन मंत्री निर्वाचित की घोषणा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने की और उनको प्रतीक चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं देकर व्यापारी भाईयो की समस्याओं का साथ रहकर उनकी हर संभव मदद करेगें ऐसी हमारी आप से उपेक्षा रहेगी, नवनिर्वाचित प्रदेश संगठन मंत्री सुजीत देव वार्ष्णेय ने कहा की मै हर वक्त जिस लायक हूं व्यापरी भाइयों की हर समय मदद के लिए तैयार हू और रहूंगा। उनको बधाई देने राकेश वार्ष्णेय (चकोरी), सुरेन्द्र गुप्ता पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा,वीरेन्द्र वार्ष्णेय पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा, राजेश गुप्ता,पप्पू पांडेय, बॉबी वार्ष्णेय,राजीव जैन, साधु सिंह यादव, ब्रजेश गुप्ता, नीरज गुप्ता अध्यक्ष रोटरी क्लब एटा, स्वागत पचौरी, रंजीत सिंह टाइगर, उमेन्द्र सिंह वैध, सुजीत सर्राफ, आनन्द सर्राफ, अजिताभ शाक्य, सुधीर वार्ष्णेय अल्मी, मनोज गुप्ता, अजय गुप्ता आदि।

धूमधाम से गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

बद्रीनाथ धाम में आचार्य विपिन जी महाराज के मुखारबिंद से होगी अमृत की वर्षा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

उत्तराखंड। उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री बद्रीनाथ धाम में 10 सितंबर से 16 सितंबर 2024 तक श्री मदभागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके चलते बड़े ही हर्षोल्लास के साथ गाजे बाजे हाथी घोड़ा के साथ श्री बद्रीनाथ धाम में कलश यात्रा निकाली गई।कलश यात्रा नगर के मुख्य मार्ग होते हुए श्री बद्रीनाथ धाम पहुंची।जहां विधिविधान से मंत्र उच्चारण के साथ कलश पूजन के साथ जल भर कर माताएं बहिने सिर पर कलश रखकर पैदल श्रीमद्भागवत कथा स्थल पर पहुंची और श्रीमद् भागवत कथा का श्री गणेश किया गया।वहीं इस कथा में श्रोताओं को कथा का रसपान कथाव्यास श्रध्देय आचार्य विपिन जी महाराज के द्वारा कराया जा रहा है।आयोजित कथा के प्रथम दिन कथावाचक श्रध्देय आचार्य विपिन जी महाराज ने कहा कि मोक्ष की कामना प्रत्येक मनुष्य करता है,लेकिन सभी को सही राह नहीं मिलती

है।भागवत कथा एक ऐसा मार्ग है जो प्रत्येक को मोक्ष की ओर ले जाता है।कथा समापन पर कथा का रसपान पाने के लिए भक्तों का सैलाब उमड पड़ा।कथावाचक श्रध्देय आचार्य विपिन जी महाराज ने लोगों से भक्ति मार्ग से जुड़ने और सत्कर्म करने को कहा।आगे उन्होंने कहा कि हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ-साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है।व्यक्ति में धार्मिक आस्था जागृत होती है।दुर्गुणों की बजाय सद्गुणों के द्वार खुलते हैं।यज्ञ से देवता प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं।उन्होंने बताया कि भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता है।श्रीमद भागवत से जीव में भक्ति,ज्ञान एवं वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं।इसके श्रवण मात्र से व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं।विचारों में बदलाव होने पर व्यक्ति के आचरण में भी स्वयं बदलाव हो जाता है।इस दौरान कथा में काफी संख्या में श्रोतागण मौजूद रहे।वहीं इस कथा में श्री घनेश्वर नाथ बाबा के सानिध्य में पारीक्षत भिण्ड जिले के दबोह निवासी माया-नितिन अग्रवाल को बनाया गया है।

पार्षद पति द्वारा सफाई कर्मचारी की मारपीट,यूनियन ने करवाया सफाई काम बंद, मुकदमा दर्ज करने पर लौटे काम पर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद । जिले के गोहद नगर पालिका में कार्यरत सफाई कर्मचारी जितेन्द्र वाल्मीकि के साथ वार्ड नं 18 के पार्षद पति मुनेश तोमर ने सफाई कार्य को लेकर जातिगत अपमानित करते हुए मारपीट की जिसकी सूचना मिलते ही राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट गुडडू वाल्मीकि नगरपालिका गोहद में पहुंचकर सभी सफाई कर्मचारियों को एकत्रित कर सफाई काम बंद हड़ताल कर दी तथा पुलिस अधीक्षक से उक्त घटना के बारे में अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से संज्ञान लेकर कार्यवाही का आश्वासन दिया तभी सभी सफाई कर्मचारी गोहद चौराहा थाना पहुंचे और आरोपी पार्षद पति मुनेश तोमर के विरोध बीएनएन की धारा 296, 115(2), 351 तथा एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया उसके बाद सभी सफाई कर्मचारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुडडू वाल्मीकि के कहने पर कार्य पर लौटे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाल्मीकि ने कहां है,कि वाल्मीकि समाज दिन रात मेहनत कर देश को स्वच्छ एवं आम जनता को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है,उनके साथ इस प्रकार का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होती है,तो सम्पूर्ण जिले में सफाई काम बंद हड़ताल की जाएगी। इस मौके पर सीएमओ प्रीतम मांझी एवं सैकड़ों महिला व पुरुष सफाई कर्मचारी मौजूद रहें।

आईमाता जी का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

विल्लुपुरम- सीरवी समाज विल्लुपूरम ने श्री आई माताजी के 609 वें अवतरण दिवस एवं भादवी सुदी बीज का महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। गुरुवार को सुबह कलश स्थापना कर प्रात- 7-15 बजे दीप प्रज्वलित करके शुभ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। दोपहर को महाप्रसादी का आयोजन किया गया। शाम को भजन गायक भंवरलाल, हिरालाल एण्ड पार्टी द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई साथ ही महिला मंडल व बालक बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसमें बच्चो द्वारा विभिन्न भजनों पर अपनी कला का प्रदर्शन कर सबका मन मौह लिया। उसके बाद सभी बाल कलाकारों को पुरूस्कार वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के बुजुर्गो ने संगठित होकर रहने की अपील की। साथ हि शिक्षा व संस्कार पर प्रकाश डालते हुए माताओ बहनो से निवेदन किया की वे अपने बेटे बेटीयों को संस्कारी बनाए उनको धार्मिक स्थानो तक लेकर आये और धर्म के बारे मैं जानकारी देवे ताकी वे अपने रास्ते से भटके नहीं। मंच का संचालन पंडीत पुष्कर्राज शात्री, संजनराजजी ने किया। अंत में माताजी की आरती के साथ संस्था के अध्यक्ष मंगाराम सैणचा, रामलाल गहलोत,तेजाराम राठौड़, मुलाराम राठौड़, तीलोकराम परिहार, ढगलाराम भायल, पोकरराम गहलोत ने समाज के बंन्दुओ महिलाओं का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

दबोह में बीज गोदाम के पास दिन दहाड़े मकान में चोरी,सोने चांदी के जेबर लेकर हुए फरार

लगातार नगर में बड़ रही चोरी की वारदातें,आरोपी नही आ रहे पकड़ में

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर के बीज गोदाम के पास बाईपास पर बने एक नवनिर्मित मकान में दिन दहाड़े चोरों ने चोरी को अंजाम दे दिया।और घर मे रखे सोने,चाँदी के सारे जेवर लेकर फरार हो गए।फरियादी रामवीर पाल द्वारा बताया जाता है कि इन जेवरों की कीमत करीब 3 लाख है।जो जेवर गए उनमें सोने का मंगलसूत्र,अंगूठी, तोड़िया,और अन्य जेवर शामिल है।यहां बता दें कि मकान मालिक रामबीर पाल दबोह विद्युत विभाग में पदस्थ है उन्होंने बताया कि मैं दोपहर को अपनी ड्यूटी पर गया था मेरी पत्नी मोरछट सिराने के लिए रिश्तेदार के यहां बाहर गई हुई थी।मैं अपनी ड्यूटी से जब दोपहर 1:30 पर घर आया तो मेरे मकान के ताले टूटे हुए थे।रामबीर ने बताया कि चोरों ने उसी कमरे को निशाना बनाया जिसमे हमारी पत्नी के जेवर रखे हुए थे।अन्य किसी कमरे में नही गए है। दबोह इतिहास में यह पहली बारदात है।नगर में चोरों ने दिनदहाड़े चोरी को अंजाम देकर दबोह पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है।गौरतलब कि बात यह है कि जहां चोरी हुई है वहीं पास में एक मकान बन रहा है जहां लेबर काम कर रही है।फिर भी चोर दिनदहाड़े चोरी को अंजाम देकर निकल गए।फिलहाल दबोह पुलिस मौके पर पहुचकर घटना की लिखा पड़ी तथा नक्सा बना लाई है।लेकिन खबर लिखे जाने तक एफआई आर दर्ज नही की गई है। लगातार बड़ रही नगर में चोरी की वारदातें,आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर-नगर में लगातार चोरियों का ग्राफ बड़ता जा रहा गई और स्थानीय थाना पुलिस की पकड़ से अपराधी कोसो दूर नजर आ रहे हैं।ज्ञात रहे कि बीते रोज पहले भी नगर में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था परंतु अब तक आरोपी पुलिस की पकड़ से कोसो दूर है।वहीं सूत्र बता रहे है कि बीती रात सोमवार को तकरीबन 8:30 बजे चौक मोहल्ला स्तिथ कुछ लोगो ने डब्बू पाल के मकान पर भी घुसने की कोशिश की थी लेकिन तब मोहल्ले के बच्चो ने शोर मचा दिया बैसे ही वह भाग खड़े हुए लोगो ने बताया कि वह आपचे मोटरसाइकिल से आये थे।फिलहाल तो इतना कहा जा सकता है कि अगर जल्द आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नही आये तो नगर में चोरियों का ग्राफ और आगे बड़ने में देर नही लगेगी।

किसान मोबाइल से घर बैठे कर सकेंगे पंजीयन,निर्धारित समय पर करायें पंजीयन : दैपुरिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 19 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। भारतीय पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने जिले के किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। किसान स्वयं के मोबाइल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। किसानों को पंजीयन केन्द्रों में लाईन लगाकर पंजीयन कराने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। किसानों के मोबाईल से पंजीयन करने की सुविधा के अतिरिक्त अन्य व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित की गई हैं। पंजीयन की निः शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर तथा एम.पी. किसान ऐप पर भी की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन

के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिये 50 रुपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।सिकमी/बटाईदार/कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान ड्द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी ।अक्रियाशील बैंक खाते संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो,एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। किसान मोर्चा अध्यक्ष दैपुरिया ने कहा कि सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए ताकि किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन हेतु पंजीयन के दौरान ही 1 रुपये का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन/जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा।

संपादकीय

घुटती सांसें

यूं तो प्रदूषण का संकट देशव्यापी है। लेकिन जब दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है, तो स्वाभाविक है कि राष्ट्रीय राजधानी के तीन तरफ स्थित हरियाणा में उसका प्रभाव होगा ही। जिसके मूल में तंत्र की काहिली और नागरिकों की उदासीनता निहित है। बहरहाल, एक हालिया रिपोर्ट हरियाणावासियों की चिंता बढ़ाने वाली है कि देश के सौ सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 15 हरियाणा के हैं। जिसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति फरीदाबाद की है। इस साल की पहली छमाही में प्रदूषण के मुख्य कारक पीएम 2.5 के आधार पर हवा की गुणवत्ता का निर्धारण किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशरू चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। यह गंभीर स्थिति है कि फरीदाबाद में पीएम 2.5 का स्तर 103 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा है। जबकि हरियाणा के तीन शहर पलवल, अंबाला और मांडीखेड़ा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुरूप संतोषजनक स्थिति में कहे जा सकते हैं। वहीं गुरुग्राम में पीएम 10 की सांद्रता सबसे अधिक 227 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रही, जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। विडंबना यह है कि मौजूदा समय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम केवल फरीदाबाद में ही चलाया जा रहा है। यह हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है। दरअसल, हरियाणा के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल–पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। दरअसल, हमारे नीति–नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख–सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे–बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा,एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु पांच साल कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की भी जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल–डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने–अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

संवाद से दूर होती हैं गलतफहमियां

(शाश्वत तिवारी)

एक दूसरे के बारे में बोलने के बजाय अगर हम एक दूसरे से बोलें तो बहुत सारी गलतफहमियां दूर हो जाएंगी, यह वाक्य अपने आप में एक गहरी समझ रखता है। यह हमें बताता है कि अक्सर हम दूसरों के बारे में बातें करते हैं, उनकी अनुपस्थिति में उनकी आलोचना करते हैं, या उनके बारे में अपनी धारणाएं बना लेते हैं। लेकिन क्या कभी हमने सोचा है कि अगर हम सीधे उनसे बात करें तो शायद बहुत सी बातें स्पष्ट हो जाएँ? याद रखें, संवाद एक कला है। इसे सीखने और विकसित करने की जरूरत होती है। लेकिन अगर हम ईमानदारी और खुले दिल से एक–दूसरे के साथ बात करें तो हम निश्चित रूप से सफल होंगे।

आइए, आज ही संवाद की शुरुआत करें।

गलतफहमियां मानव संबंधों का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं। अक्सर, छोटे–छोटे संवादहीनता के कारण बड़े विवाद जन्म ले लेते हैं। चाहे वह व्यक्तिगत संबंध हों, व्यावसायिक संबंध हों, या समाज के किसी भी स्तर पर संवादहीनता हो, जब हम एक–दूसरे से खुलकर बात नहीं करते, तो गलतफहमियां उत्पन्न होती हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इसका व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। इस लेख में, हम समझने का प्रयास करेंगे कि संवाद कैसे गलतफहमियों को दूर करता है और एक मजबूत, विश्वासपूर्ण समाज के निर्माण में कैसे मदद करता है। जब हम किसी के बारे में बात करते हैं, तो हम अपनी सोच और धारणाओं को ही प्रोजेक्ट करते हैं। हम उनके बारे में जो सोचते हैं, वही दूसरों को बताते हैं। लेकिन जब हम सीधे उनसे बात करते हैं, तो हम उनकी भावनाओं, विचारों और नजरिए को समझने का मौका पाते हैं। इस तरह हमारी गलतफहमियां दूर होती हैं और हमारे बीच एक बेहतर समझदारी का माहौल बनता है। गलतफहमी तब उत्पन्न होती है जब किसी स्थिति, व्यक्ति या घटना को सही तरीके से समझा नहीं जाता। यह अक्सर तब होता है जब जानकारी अधूरी होती है, या वह जिस तरह से प्रस्तुत की जाती है, उसमें स्पष्टता नहीं होती। इसके परिणामस्वरूप संदेह, क्रोध, या किसी स्थिति के प्रति गलत प्रतिक्रिया हो सकती है। व्यक्तिगत संबंधों में गलतफहमियां टूटते रिश्तों का कारण बन सकती हैं। जब दो व्यक्ति एक–दूसरे के विचारों या भावनाओं को सही ढंग से नहीं समझ पाते, तो वे एक–दूसरे से दूर हो जाते हैं। कार्यस्थल में, गलतफहमियों के कारण टीम में असहमति और संघर्ष उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि देशों के बीच भी संवादहीनता युद्ध और संघर्ष का कारण बन सकती है। यह बात हमारे व्यक्तिगत रिश्तों के साथ–साथ हमारे सामाजिक जीवन में भी लागू होती है। अगर हम अपने परिवार के सदस्यों, दोस्तों, सहकर्मियों या किसी भी अन्य व्यक्ति के साथ खुलकर बात करें तो हमारी आपसी दूरियां कम हो जाएंगी और हमारे रिश्ते मजबूत होंगे। संवाद गलतफहमियों को दूर करने का सबसे प्रभावी तरीका है। जब हम एक–दूसरे से संवाद करते हैं, तो हम अपने विचार, भावनाएं और दृष्टिकोण स्पष्ट करते हैं। यह हमें दूसरे व्यक्ति की सोच और भावनाओं को समझने में मदद करता है, जिससे गलतफहमियां दूर होती हैं। आज ही से हम अपने जीवन में संवाद को महत्व देना शुरू कर सकते हैं। हमें हर किसी के साथ खुलकर बात करनी चाहिए और उनकी बातों को ध्यान से सुनना चाहिए। हमें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से नहीं डरना चाहिए। जब हम ऐसा करेंगे तो हम पाएंगे कि हमारे आसपास का माहौल कितना शांतिपूर्ण और सकारात्मक हो गया है। संवाद का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह स्पष्टता प्रदान करता है। जब हम अपनी बात को स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं, तो दूसरी पार्टी को यह समझने में आसानी होती है कि हम क्या कहना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, अगर किसी कार्यस्थल पर किसी कर्मचारी को कोई निर्देश समझ में नहीं आता, तो वह अपने वरिष्ठ से संवाद करके उसे स्पष्ट कर सकता है। इससे गलतफहमी दूर होती है और काम समय पर पूरा होता है। संवाद न केवल गलतफहमियों को दूर करता है, बल्कि यह एक–दूसरे पर विश्वास को भी बढ़ाता है। जब लोग एक–दूसरे से खुलकर बात करते हैं, तो वे अपने विचार और भावनाओं को ईमानदारी से साझा करते हैं। यह ईमानदारी एक मजबूत विश्वास प्रणाली का निर्माण करती है, जो किसी भी रिश्ते की नींव होती है। व्यक्तिगत संबंधों में, जब दोनों पक्ष संवाद करते हैं, तो वे एक–दूसरे के दृष्टिकोण को समझते हैं और उनके बीच के भावनात्मक बंधन को और भी मजबूत बनाते हैं। संवाद के माध्यम से हम न केवल अपनी बात रखते हैं, बल्कि दूसरे व्यक्ति की स्थिति और भावनाओं को भी समझने का प्रयास करते हैं। यह हमें संवेदनशील बनाता है और हमें दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करने में मदद करता है। जब हम किसी की बात ध्यान से सुनते हैं और उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करते हैं, तो हम उस स्थिति में उनके दृष्टिकोण को भी देख सकते हैं। इससे गलतफहमी कम होती है और एक स्वस्थ संबंध का विकास होता है। संवाद के माध्यम से हम विचारों का आदान–प्रदान करते हैं। जब दो लोग या समूह अपने विचार साझा करते हैं, तो वे एक–दूसरे के दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। यह आदान–प्रदान किसी भी समस्या के समाधान में सहायक होता है। विचारों के माध्यम से, हम न केवल समस्याओं का समाधान करते हैं, बल्कि नए विचार और समाधान भी विकसित करते हैं। संवाद के माध्यम से हम नकारात्मकता को दूर कर सकते हैं और सकारात्मक माहौल का निर्माण कर सकते हैं। जब लोग खुलकर अपनी समस्याओं, चिंताओं और विचारों को साझा करते हैं, तो वे समाधान खोजने में सक्षम होते हैं। इससे न केवल समस्याओं का समाधान होता है, बल्कि एक सकारात्मक और उत्पादक माहौल भी बनता है। भाषा की भिन्नता अक्सर संवाद में बाधा बन सकती है। जब दो लोग अलग–अलग भाषाएं बोलते हैं, तो उनकी बातचीत में स्पष्टता की कमी हो सकती है। हालांकि, आजकल भाषा के अंतर को कम करने के लिए कई तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं, जो इस बाधा को पार करने में मदद कर सकते हैं। कई बार हमारी भावनाएं हमारे संवाद में बाधा बन सकती हैं। जब हम क्रोधित, उदास या निराश होते हैं, तो हम सही तरीके से संवाद नहीं कर पाते। इस स्थिति में, यह जरूरी होता है कि हम पहले अपनी भावनाओं को नियंत्रित करें और फिर संवाद करें। कई बार हम संवाद से पहले ही किसी व्यक्ति या स्थिति के बारे में पूर्वाग्रह बना लेते हैं। यह पूर्वाग्रह हमारे संवाद को प्रभावित करता है और हम सही तरीके से संवाद नहीं कर पाते। ऐसे में, यह जरूरी होता है कि हम अपने पूर्वाग्रहों को छोड़कर निष्पक्ष रूप से संवाद करें। सही संवाद का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सुनना है। जब हम दूसरों की बात ध्यान से सुनते हैं, तो हम उनकी भावनाओं और विचारों को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। अक्सर लोग केवल अपनी बात रखने पर ध्यान देते हैं और दूसरे की बात सुनने में असमर्थ होते हैं। इस आदत को बदलने से संवाद बेहतर होता है और गलतफहमियों की संभावना कम होती है। संवाद को स्पष्ट और सटीक रखना बहुत जरूरी है। अस्पष्ट या अधूरी जानकारी से गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। यदि हम अपनी बात को स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं और सामने वाले से भी यही उम्मीद करते हैं, तो संवाद में बहुत हद तक सुधार हो सकता है। यदि किसी विषय पर असहमति है, तो आलोचना को सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से व्यक्त करना चाहिए। नकारात्मक आलोचना से गलतफहमियां बढ़ सकती हैं, जबकि सकारात्मक आलोचना से समाधान की दिशा में बातचीत बढ़ती है। समस्याओं या गलतफहमियों को बढ़ने देने की बजाय, समय पर संवाद करना महत्वपूर्ण होता है। यदि हम समस्याओं को समय पर हल नहीं करते, तो वे और बढ़ सकती हैं। इसलिए, जब भी कोई स्थिति उत्पन्न हो, तब तुरंत संवाद करके समस्या का समाधान करना चाहिए। गलतफहमियां जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन संवाद के माध्यम से उन्हें दूर किया जा सकता है। संवाद हमारे रिश्तों को मजबूत बनाता है, विश्वास को बढ़ाता है, और एक सकारात्मक माहौल का निर्माण करता है। चाहे वह व्यक्तिगत संबंध हों, व्यावसायिक संबंध हों या सामाजिक स्तर पर बातचीत हो, संवाद हमेशा समाधान का मार्ग प्रदान करता है। इसलिए, संवाद को बढ़ावा देना और खुलकर अपनी बात रखना एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

विकिपीडिया का विवादों से पुराना नाता

प्रेम शर्मा

विकिपीडिया को 2001 में अंग्रेजी में लॉन्च किया गया था, लेकिन आज यह 345 भाषाओं में उपलब्ध है. साल 2003 में इसे हिन्दी में लॉन्च किया गया. वर्तमान में विकिपीडिया पर कुल 6,878,780 आर्टिकल हैं।

इंटरनेट, 1965 का एक बहुत ही जटिल और क्रांतिकारी आविष्कार है, जिसने हमारी दुनिया को बदल दिया है। इंटरनेट को एक वैश्विक संचार नेटवर्क के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें हजारों नेटवर्क शामिल हैं जो आमतौर पर फाइबर ऑप्टिक केबलिंग द्वारा परस्पर जुड़े होते हैं। मगर इसके समांतर सच यह भी है कि इंटरनेट की विस्तृत और एक अर्थ में कहें तो असीमित दुनिया में किसी खास विषय पर मौजूद जानकारी को पूरी तरह सही मान लेना अब एक जोखिम भरा काम हो गया है। शायद यही वजह है कि अब इंटरनेट पर खोजे गए किसी तथ्य की कई–कई स्रोतों से जांच और पुष्टि करने की जरूरत पड़ने लगी है। दरअसल, किसी खास मुद्दे पर जानकारी मुहैया कराने वाली कुछ वेबसाइटें अपनी सामग्री ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाती हैं, मगर उसके सही होने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं होता। इस संदर्भ में विकिपीडिया को देखा जा सकता है, जहां किसी संदर्भ में कई बार विस्तृत जानकारी रहती है, मगर उसे तैयार करने से लेकर संपादित करने का जो ढांचा बनाया गया है, उसमें कब लिए कोई भ्रामक जानकारी दे दी जाए, कहा नहीं जा सकता। यहाँ दिल्ली हाईकोर्ट ने द्वारा लोकप्रिय और मुफ्त ऑनलाइन विश्वकोश विकिपीडिया को समाचार एजेंसी एएनआई की एंट्री में किए गए संपादन में जानकारी छिपाने के मामले में न्यायालय की अवमानना जारी करते हुए कोर्ट ने विकिपीडिया को भारतीय कानूनों का पालन न करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि, यदि आपको भारत पसंद नहीं है, तो कृपया भारत में काम न करें.. हम सरकार से आपकी साइट को ब्लॉक करने के लिए कहेंगे।यह मामला एक समाचार एजेंसी से जुड़ा है, जिसमें एजेंसी ने विकिपीडिया पर उसके बारे में गलत जानकारी देने, कुछ पेज संपादित करने की इजाजत देने का आरोप लगाया गया है। यही नहीं, एजेंसी को सरकार की ओर से झूठा प्रचार करने वाला औजार भी बताया गया। किसी वैश्विक संस्थान पर इतनी बड़ी टिप्पणी यू ही नही की गई है। यह तो तय है कि आज के समय पर वीकिपीडिया हर क्षेत्र के लिए ज्ञान का भण्डार है। प्रतियोगी परीक्षा से लेकर पढ़ाई व हर क्षेत्र में वीकिपीडिया का अपना महत्व है। इससे लोगों का भविष्य जुड़ा हैं। लेकिन गैर संपादित और अनर्गल जानकारी के कारण इसका विरोध किया जाता है तो यह जायज है। क्योकि गलत या असंपादित जानकारी ज्ञान की जगह अज्ञानता का प्रतीक बन जाती है। ऐसे में अगर ऑख बंद करके केवल वीकिपीडिया की जानकारी पर भरोसा किया जाएगा तो काफी हानिकारक हो सकता है। बहरहाल विकिपीडिया का विवादों से पुराना नाता रहा है। भले ही यह प्लेटफॉर्म दावा करता है कि कंटेंट का रिव्यू किया जाता है, लेकिन इसके कई पेजों में ऐसा कंटेंट पाया गया जो विवाद की वजह बना. पैगम्बर मोहम्मद, संयुक्त राज्य अमेरिका,खतना, यीशू, जाति और बुद्धिमता ऐसे कई पेज रहे हैं जिन पर विवादास्पद कंटेंट मिला। यही नही विकिपीडिया पर आरोप लगते रहे हैं कि यह भेदभाव करता है. इसके लिए दुनियाभर के वॉलंटियर लिखते हैं. ऐसे में सभी आर्टिकल को पढ़ना और यह जांचना मुश्किल है कि वो न्यूट्रल लिख रहे हैं या फैक्चुअल या फिर भेदभावपूर्ण तरीके से अपनी बात कह रहे हैं। विकिपीडिया पर गलत जानकारी देने के भी आरोप लगते रहे हैं ऐसा इसलिए क्योंकि कोई भी यूजर इसके आर्टिकल को एडिट कर सकता है. कई बार ये प्रैंक या जानबूझकर गलत जानकारी देने के लिए करते हैं। यही नही जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विकिपीडिया जैसे ऑनलाइन स्रोत क्राउड सोर्स्ड और यूजर जेनरेटेड एडिटिंग मॉडल पर आधारित हैं। यह पूरी तरह से भरोसेमंद नहीं हैं और भ्रामक जानकारी को बढ़ावा दे सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि यह उन प्लेटफार्मों की उपयोगिता को स्वीकार करता है जो दुनिया भर में ज्ञान तक मुक्त पहुंच प्रदान करते हैं। मगर, कानूनी विवाद समाधान के लिए उन्होंने ऐसे स्रोतों का उपयोग करने के प्रति आगाह भी किया।कहा, "ज्ञान का खजाना होने के बावजूद हम ऐसा इस कारण से कहते हैं कि ये स्रोत क्राउड यानी भीड़ से मिली जानकारी और यूजर द्वारा उत्पन्न एडिटिंग मॉडल पर आधारित हैं। अकादमिक सत्यता के मामले में यह पूरी तरह से भरोसेमंद नहीं हैं। लिहाजा ये भ्रामक जानकारी को बढ़ावा दे सकते हैं।"

हमारे लिए हेल्थ इंश्योरेंस क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रातःकाल एक्सप्रेस

मुंबई। श्री भास्कर नेरुरकर, हेड, हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस

जीवनशैली में बदलाव के कारण हम में से कई लोग बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं. साथ ही, आधुनिक जीवन में अचानक होने वाली दुर्घटनाओं और संक्रमणों का जोखिम बना रहता है. इसका मतलब यह है कि हमें जीवन में किसी भी समय मेडिकल देखभाल की आवश्यकता पड़ सकती है. कोई भी व्यक्ति पहले से अनुमान नहीं लगा सकता कि उसके जीवन में मेडिकल एमरजेंसी कब आएगी, और महज कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जिनके पास अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पैसे होते हैं. अन्य लोगों के लिए, मेडिकल एमरजेंसी उनकी जेब पर भारी पड़ती है, और उन्हें फाइनेंशियल परेशानियों में डाल देती है.

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का विकल्प चुन कर ऐसी अप्रत्याशित स्थितियों से बेहतर ढंग से निपटा जा सकता है. हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी कैंसर, कार्डियोवैस्कुलर रोग और किडनी खराब होने जैसी गंभीर बीमारियों को कवर करने के अलावा हॉस्पिटल में भर्ती होने के खर्च, हॉस्पिटल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्च, सर्जरी शुल्क, ओपीडी बिल और अन्य मेडिकल प्रक्रियाओं की लागत को भी कवर कर सकती है. अप्रत्याशित मेडिकल स्थितियों के दौरान यह जरूरी है कि आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी की सुरक्षा उपलब्ध हो, जो आपको और आपके परिवार को फाइनेंशियल नुकसान से बचाएगी.

आइए हम हेल्थ इंश्योरेंस को विस्तार से समझते हैं:

हेल्थ इंश्योरेंस के लाभरू

कोविड–19 महामारी ने दुनिया भर के कई लोगों को प्रभावित किया है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने हमें सिखाया है कि जीवन में कभी भी कुछ भी हो सकता है. इससे पता चलता है कि हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का होना कितना जरूरी है, विशेष रूप से अप्रत्याशित मेडिकल स्थितियों के मामले में. हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को खरीदने के कई कारण हैं, और अगर आपके पास अभी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी नहीं है या आप इसे खरीदने पर विचार कर रहे हैं, तो यहां कुछ कारण दिए गए हैं, जो बताएंगे कि हेल्थ इंश्योरेंस कितना महत्वपूर्ण है:

आपके परिवार की सुरक्षा करता है – परिवार की सुरक्षा हर व्यक्ति की पहली प्राथमिकता होती है. अगर परिवार के किसी सदस्य को मेडिकल एमरजेंसी का सामना करना पड़ता है और आप पैसों की चिंता किए बिना उनका सर्वश्रेष्ठ तरीके से इलाज करवाना चाहते हैं, तो इस स्थिति में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी आपके बहुत काम आ सकती है. यह जानना आवश्यक है कि 18–65 वर्ष की आयु के बीच का कोई भी व्यक्ति हेल्थ इंश्योरेंस कवर खरीदने के लिए पात्र है और इसी प्रकार, 90 दिनों से लेकर 18 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए भी हेल्थ इंश्योरेंस खरीदा जा सकता है.

विभिन्न खर्चों को कवर करता है – मेडिकल महंगाई में जबर्दस्त वृद्धि के कारण अब प्रत्येक उपचार बहुत महंगा हो गया है. इसलिए, हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी न केवल हॉस्पिटल में भर्ती होने से संबंधित खर्चों को कवर करती है, बल्कि एम्बुलेंस शुल्क, रूम रेंट के खर्च और नर्स शुल्क जैसे कई अन्य संबंधित खर्चों को भी कवर करती है.

कैशलेस ट्रीटमेंट – नेटवर्क हॉस्पिटल१ शब्द का मतलब है कि कंपनी के नेटवर्क में कितने हॉस्पिटल शामिल हैं. अगर कभी आपको इलाज के लिए इनमें से किसी नेटवर्क हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़ता है, तो आपको बस अपना हेल्थ केयर कार्ड (या अपना इंश्योरेंस कॉन्ट्रैक्ट नंबर) दिखाना होगा, जिसके बाद इंश्योरर और हॉस्पिटल पॉलिसी के नियम और शर्तों के अनुसार आपके हॉस्पिटल बिल को सेटल कर देंगे. अगर आप नॉन–नेटवर्क हॉस्पिटल में भर्ती होते हैं, तो उस मामले में भी, आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है. आपको ट्रीटमेंट के लिए बस शुरुआत में भुगतान करना होगा और बाद में आपका इंश्योरर इस राशि को रीइम्बर्स कर देगा.

मुफ्त मेडिकल चेक–अप और अन्य लाभ– कुछ कंपनियां आपको मुफ्त चेक–अप की सुविधा केवल तभी प्रदान करती हैं, जब आपने पिछले कुछ वर्षों में एक भी क्लेम नहीं किया हो. लेकिन, कई इंश्योरेंस कंपनियां अब अपने ग्राहकों को मुफ्त लाभ के रूप में या वेलनेस लाभ के एक हिस्से के रूप में मुफ्त मेडिकल चेक–अप की सुविधा प्रदान करने लगी हैं. हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का एक दिलचस्प लाभ इंसेंटिव बोनस या सीबीआ के रूप में जाना जाता है, जिसके तहत अगर आप पॉलिसी अवधि के दौरान एक भी क्लेम नहीं करते हैं, तो आपकी पॉलिसी का सम इंश्योर्ड एक निश्चित राशि से बढ़ जाता है. हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लेने का एक अतिरिक्त लाभ यह है कि इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली चुनिंदा हेल्थ पॉलिसी में ओपीडी के साथ–साथ डे–केयर ट्रीटमेंट को भी कवर किया जाता है

टैक्स लाभों का आनंद लें – इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर टैक्स कटौती का क्लेम कर सकते हैं. 60 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिए, कटौती की सीमा रु. 25,000 तक है, जबकि सीनियर सिटीज़न रु. 50,000 तक की कटौती का लाभ उठा सकते हैं.

किसी भी मेडिकल एमरजेंसी से खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण है और हेल्थ इंश्योरेंस आपको इस प्रकार की अप्रत्याशित परिस्थितियों से सुरक्षा प्रदान करता है. कई लोगों को लगता है कि उन्हें कुछ नहीं होगा, जिसके कारण वे या तो हेल्थ इंश्योरेंस नहीं लेते हैं या अगर लेते भी हैं, तो पर्याप्त कवरेज नहीं चुनते हैं. लेकिन हम सबने देखा है कि मेडिकल एमरजेंसी बता कर नहीं आती, और जब आती है, तो आपकी बचत पर भारी पड़ जाती है. इसलिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी किसी भी आयु में एक बेहतरीन इन्वेस्टमेंट है, लेकिन अगर आप कम आयु में इसे लेते हैं, तो आपको कई लाभ मिलेंगे, जिनमें विशेष रूप से कम प्रीमियम और प्रतीक्षा अवधि की दृष्टि से मिलने वाले लाभ शामिल हैं. यह अप्रत्याशित मेडिकल बिलों से खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखने का एक किफायती तरीका है और आपको गुणवत्तापूर्ण मेडिकल देखभाल प्राप्त करने में मदद करती है।

एडमीशन में 45 से नीचे रैंक वालों की रूकेगी वेतनवृद्धि , 40 से नीचे वालों को नोटिस

रीवा। संभागीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने शिक्षा विभाग के कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के प्रयास करें। शासकीय स्कूलों और छात्रावासों को इतना आकर्षक बनाएं कि उनमें प्रवेश के लिए बच्चे लालायित हों। शिक्षक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से जीवंत संपर्क रखें। बच्चे को सही शिक्षा मिले तो वह हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। कमिश्नर ने कहा कि कक्षा एक में लक्ष्य के अनुसार बच्चों के प्रवेश की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बच्चों के एडमीशन 30 सितम्बर तक पूरे किए जाने हैं। रीवा जिले में लक्ष्य के 62.2 प्रतिशत, सतना में 56.8 प्रतिशत, सिंगरौली में 63.5 प्रतिशत तथा सीधी में 53.21 प्रतिशत बच्चों का प्रवेश कक्षा एक में हुआ है। सीधी जिले की रैंकिंग 49वीं तथा सिंगरौली की 43वीं रैंक है। कमिश्नर ने कहा कि विभिन्न मापदण्डों में प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में 45 से कम रैंक वाले अधिकारियों की वेतनवृद्धि रूकेगी। रैंक 40 से कम तो सभी को कारण बताओ नोटिस दें। हमें सौंपी गई जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाना है। शाला जाने योग्य हर बच्चे का शाला में प्रवेश कराएं। इसमें

समग्र आईडी, जन्म प्रमाण पत्र तथा अन्य बाधाओं को दूर करके सात दिवस में 75 प्रतिशत से अधिक की पूर्ति सुनिश्चित करें। टॉप टेन में आने वाले जिलों के अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। कमिश्नर ने कहा कि छूटे हुए बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर संपर्क करें। वंचित तथा गरीब वर्ग के हर बच्चे का अनिवार्य रूप से प्रवेश सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा अधिकारी तथा अन्य अधिकारी छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की प्रकाश, पानी, भोजन, आवास, शौचालय, साफ-सफाई, पठन-पाठन व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में प्रतिवेदन दें। छात्रावास में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हर माह छात्रावास के विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जाँच कराएं। साइकिल वितरण के लिए शेष बचे 3001 विद्यार्थियों का सात दिन में सत्यापन करके साइकिलों का वितरण कराएं। सेवानिवृत्त शिक्षकों तथा अन्य कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरणों का एक माह में निराकरण कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में कमिश्नर ने गणवेश वितरण, मध्यान्ह भोजन योजना, स्कूलों तथा छात्रावासों में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन तथा न्यायालयीन प्रकरणों के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त संचालक शिक्षा संतोष कुमार त्रिपाठी ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में डीपीसी रीवा एलआर दीपांकर, डीपीसी सतना विष्णु त्रिपाठी, डीपीसी सिंगरौली रामलखन शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी रीवा सुदामा लाल गुप्ता, एपीसी सीधी डॉ सुजीत मिश्रा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सूरत जैसी घटना को रोकने गणेश पंडालों में पुलिस सुरक्षा बड़ाने की धर्मपरिवार ने की मांग

रीवा। हिन्दू उत्सव समिति ''धर्म परिवार'' सूरत मे हुई श्री गणेश पंडाल पर पथराव की घटना की निन्दा करता है तथा नगर में स्थापित पंडालों की सुरक्षा एवं सूरत घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिये पुलिस सुरक्षा बड़ाने की धर्मपरिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी ने जिला पुलिस अधीक्षक से मांग की है। श्री डिगवानी ने बताया कि हालात को देखते हुये नगर के संदिग्ध क्षेत्रों मे पुलिस गश्त के साथ मुखबिरों को सचेत करने की आवश्यकता है वरना बहकावे मे आकर भटके हुये लोग ऐसा कुछ भी कर सकते हैं, जिससे यहां भी शांति भंग हो सके। इसी तरह सभी थाना क्षेत्रों मे स्थातिप गणेश पंडालों की समितियों को समझाइश दी जाये कि वो सभी मिलकर समूह मे विसर्जन करने के लिये निकलें ताकि पुलिस सुरक्षा उनको मिल सके। वैसे भी विसर्जन के लिये दोपहर 02 बजे से सायं 07 बजे का समय निर्धारित किया गया है, देर रात मे होने वाले विसर्जन चल समारोह मे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ती है, साथ ही नशाखोरी होती है जिसमे कोई गंभीर घटना होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। साउंड नियंत्रण के लिये पुलिस द्वारा जो निर्देश दिये जा रहे हैं उनका पालन श्री गणेश पंडालों के संचालकों द्वारा करने का धर्मपरिवार ने आग्रह किया है। सूरत जैसी घटना को रोकने जिला प्रशासन को सचेत रहने की आवश्यकता है, वैसे भी साहब सलाम संस्कृति के चलते यहां काफी समझदारी और मेलजोल है, उसका परिचय नगरवासी जरूर देगें।

मध्य प्रदेश में मोहन सरकार के आदेशों को रीवा में नहीं हो रहा पालन, बहन बेटियों के साथ हो रही घटना में सबूत का अभाव देकर अपराधियों को दिया जा रहा संरक्षण

रीवा।थाना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में निपानिया बदरिया मोड़ के पास तीन मनचले लड़के जानबूझकर दो लड़कियों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी घटना के संबंध में बताया गया है कि पलक साहू नाम की लड़की घर से किसी काम से अपनी सहेली के साथ जा रही थी तभी मोटरसाइकिल में तीन युवा पीछे से आते हैं और जानबूझकर लड़की को कुचलते हुए चले गए जिससे लड़की के कमर में और चेहरे में गंभीर चोटें आई है गाड़ी नंबर ना मिलने के कारण थाने में भी द्वद्वह- करने से मना कर दिया गया जहां एक ओर सरकार बेटियों की सुरक्षा और बचाव के लिए कार्य कर रही है वहीं असामाजिक तत्वों के हौसले इतने बुलंद है की दिनदहाड़े ऐसी घटनाओं को अंजाम दे देते हैं और पुलिस का नाम मात्र का खौफ नहीं,कहने को सरकारी खजाने से करोड़ो लगा पूरे शहर मे कैमरे लगाए गए लेकिन जब जहाँ घटना घटती है वहाँ का कैमरा या तो बन्द मिलता है या खराब यही हाल रीवा की पुलिस का भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 17 सितंबर को चाकघाट आगमन प्रस्तावित

कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगामी 17 सितंबर को त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के चाकघाट आगमन प्रस्तावित है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कार्यक्रम स्थल कृषि उपज मंडी परिसर चाकघाट का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने आयोजन स्थल में हेलीपैड निर्माण के साथ ही मंच निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिये कि वर्षा की संभावना को देखते हुए मंच एवं आमजनता के लिए बनाये जाने वाले डोम को वाटरप्रूफ रखें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल में आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में स्वच्छता मित्रों के लिए अलग से टेन्ट लगाने तथा स्वच्छता मित्रों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल में मुख्य प्रवेश द्वार से आमजनों के प्रवेश सहित पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्थायें कराने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे, एसडीएम त्योंथर संजय जैन, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी मनोज द्विवेदी, सीईओ जनपद राहुल पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कारों को जीवित रखने का कार्य कर रहा है,भारत विकास परिषद: भानु श्रीवास्तव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । संस्कारों को जीवित रखने में भारत विकास परिषद की भूमिका अग्रणी है। सही मायने में इनके कार्य स्तुतीय हैं। गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में भी संस्कारों को सहेजने की बात है। ऐसे कार्यक्रमों में लगता है कि अभी भी समाज में संस्कारों को पोषण करने में निरंतर लोग सेवा में हैं। उक्त बात भानु श्रीवास्तव ने कही । वे भारत विकास परिषद शाखा भिण्ड द्वारा आयोजित गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार भानु श्रीवास्तव कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल शर्मा एवं प्राचार्य श्रीमती सीमा मल्होत्रा मंचासीन रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन भगवान गणेश जी एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण,दीप प्रज्वलन कर

किया गया। जिसके उपरांत शाखा अध्यक्ष कमलेश सैंथिया ने भारत विकास परिषद के पांच सूत्र संपर्क,सहयोग, संस्कार,सेवा,समर्पण पर प्रकाश डालते हुए सभी को परिषद की परिकल्पना,कार्यों एवं गुरु बंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल शर्मा ने कहा अपने माता-पिता गुरुओं का सम्मान करना चाहिए क्योंकि उनके आशीर्वाद से ही अपने जीवन में सफलता पाने में सक्षम हो सकेंगे, बच्चों में विनम्रता का भाव विकसित करना इसका मूल्य भाव है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को शाखा उपाध्यक्ष से जय प्रकाश शर्मा द्वारा गुरु बंदन छात्र अभिनंदन अंतर्गत सामूहिक रूप से सदाचार व गुरुओं के सम्मान की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव राजमणि शर्मा एवं आभार प्रदर्शन जयदीप सिंह राजावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों रुद्र प्रताप, आराध्या राठौर, आयुष्मान भदोरिया, आकांक्षा राजावत, देवराज गुप्ता, कशिश खरे, मालती मिश्रा को उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र व मैडल से सम्मानित किया गया साथ ही आगामी शिक्षक सम्मान हेतु विद्यालय परिवार से शिक्षिका पारूल श्रीवास्तव,प्रियंका चतुर्वेदी को नामांकित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय गान के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष वीरेंद्र जोशी, अशोक शर्मा एवं शिक्षक,शिक्षकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रीवा एयरपोर्ट को डीजीसीए लाइसेंस पर मुख्यमंत्री डॉ यादव को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दी बधाई और व्यक्त किया आभार

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट को डीजीसीए लाइसेंस प्राप्ति पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी और आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में सतना के प्रभारी मंत्री एवं नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजवर्गीय तथा रीवा के प्रभारी मंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल के साथ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट विंध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार करेगा, साथ ही मध्यप्रदेश के आर्थिक विस्तार और विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस लाइसेंस के साथ, रीवा एयरपोर्ट से जल्द ही हवाई सेवाओं की शुरुआत होगी, जिससे स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रीवा एयरपोर्ट का संचालन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति को भी एक नई दिशा मिलेगी।

विंध्य क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर होगा रीवा एयरपोर्ट : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा एयरपोर्ट को मिला डीजीसीए से संचालन लाइसेंस

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विंध्य क्षेत्र के नागरिकों के लिए हवाई यात्रा का सपना जल्द ही साकार होने जा रहा है। रीवा एयरपोर्ट को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा संचालन लाइसेंस प्रदान किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विंध्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रीवा एयरपोर्ट को आधिकारिक रूप से यात्री और मालवाहक विमानों की उड़ानों के संचालन की अनुमति प्राप्त हो गयी है। विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति को नई दिशा मिलेगी -उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट विंध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार करेगा, साथ ही मध्यप्रदेश के आर्थिक विस्तार और विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस लाइसेंस के साथ, रीवा एयरपोर्ट से जल्द ही हवाई सेवाओं की शुरुआत होगी, जिससे स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रीवा एयरपोर्ट का संचालन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति को भी एक नई दिशा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र और पूरे मध्यप्रदेश के नागरिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना है।

अ.भा. क्षत्रिय महासभा में शशिभूषण सिंह चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्ति

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा कै राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शिवराम सिंह गौर,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजीवसिंह (गुड्डू) भदौरिया, राष्ट्रीय प्रमुख उपाध्यक्ष ठा. भैरुसिंह चौहान,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष (युवा) रणविजय सिंह,राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग श्रीमती उषा पंवार की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार सिंह सिकरवार द्वारा शशिभूषण सिंह चौहान को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है,संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि श्री चौहान काफी समय से क्षत्रिय समाज के लिए काम कर रहे हैं,श्री चौहान ने कहा कि वह सकारात्मक उर्जा का उपयोग कर क्षत्रिय महासभा को संगठित करने एवं समाज उत्थान के लिए कार्य करेंगे। शशिभूषण सिंह चौहान के मनोनीत होने पर रंगलाल सिंह भदौरिया, गिरिराज सिंह तोमर,संजय सिंह चौहान,संदीप तोमर,शिशुपाल सिंह राजावत,पिंटू तोमर,आनन्द सिंह चौहान सहित क्षत्रिय समाज लोगों ने बधाई प्रेषित की है।

कंगना रनौत

की इमरजेंसी ही नहीं, विद्या बालन की इंदिरा गांधी भी हुई पोस्टपोन, एक्ट्रेस ने रिजेक्ट की थी थलाइवी

कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' पोस्टपोन हो गई है. कंगना ने एक दिन पहल एक्स पर ट्वीट कर बताया कि सीबीएफसी से सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया है. यह 1975 की इमरजेंसी पर आधारित है. इस पीरियड पॉलिटिकल थ्रिलर में का सिख समुदाय काफी विरोध कर रहे हैं. उन्होंने फिल्म को खुद डायरेक्ट किया है. कंगना ने इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है. लेकिन क्या आप जानते हैं कंगना के 'इमरजेंसी' पर काम करने से पहले विद्या बालन ने साल 2017 में पत्रकार सागरिका घोष की किताब 'इंदिरा= इंडियाज़ मोस्ट पावरफुल प्राइम मिनिस्टर' के अधिकार हासिल कर लिए थे.विद्या बालन ने कहा कि इंदिरा गांधी का किरदार निभाना उनका लंबे समय से सपना था. उनके पति सिद्धार्थ रॉय कपूर अपने बैनर रॉय कपूर फ़िल्म्स के तहत प्रोड्यूसर बनने वाले थे. विद्या ने साल 2019 में फर्स्टपोस्ट को दिए इंटरव्यू में इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की थी. उन्होंने बताया था कि इसे फिल्म के बजाय वेब सीरीज के रूप में बनाया जाएगा.

विद्या बालन ने कहा का था कि 'लंच बॉक्स' के डायरेक्टर रितेश बत्रा इस सीरीज को डायरेक्टन करेंगे. उन्होंने कहा था, इंदिरा गांधी वेब सीरीज़ में मेरी अपेक्षा से ज़्यादा समय लग रहा है. वे वेब के हिसाब से स्क्रिप्ट को फिर से लिख रहे हैं, और जल्द ही फाइनल वर्जन के साथ मेरे पास आएंगे. सीरीज एक अलग तरह का खेल है, इसलिए इसमें ज़्यादा समय लगता है.

विद्या बालन को कंगना रनौत से पहले मिला था 'थलाइवी' का ऑफर

विद्या बालन ने कहा, मुझे 5 साल पहले भी कई लोगों ने इस रोल का ऑफर दिया था. लेकिन मैंने उनसे कहा कि जब तक आपको उम्मीद नहीं लगती, मैं फिल्म नहीं कर सकती. लेकिन सीरीज पर यह बहुत आसान है. विद्या को कंगना रनौत स्टारर 'थलाइवी' भी ऑफर की गई थी. विद्या ने खुलासा किया कि उन्होंने एएल विजय के डायरेक्शन में बनी बायोपिक 'थलाइवी' में तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता का रोल रिजेक्ट कर दिया था.

विद्या बालन ने इस वजह से रिजेक्ट की थी 'थलाइवी'

विद्या बालन ने इसकी वजह बताई कि वह पहले से ही स्क्रीन पर इंदिरा गांधी की भूमिका निभाने के लिए तैयार थीं, इसलिए वह एक ही उम्र की दो राजनीतिक हस्तियों की भूमिका नहीं निभाना चाहती थीं. हालांकि, कंगना ने 'थलाइवी' में जयललिता और 'इमरजेंसी' में इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई.

शादी के चार महीने बाद ही दूसरी पत्नी से बिगड़े रिश्ते? पाकिस्तानी एक्टर फिरोज खान ने उठाया ये कदम

'खुदा और मोहब्बत' जैसे सुपरहिट ड्रामा से मशहूर पाकिस्तानी एक्टर फिरोज खान अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरते रहते हैं. पहली पत्नी से तलाक लेने के बाद एक्टर ने गुपचुप तरीके से दूसरा निकाह कर लिया था. अब एक बार फिर फिरोज खान चर्चा में आ गए हैं. दरअसल, एक्टर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से दूसरी पत्नी को अनफॉलो कर दिया है.

फिरोज खान ने इस साल जून में डॉ. जैनब से दूसरी शादी की थी. एक्टर ने इससे पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी दूसरी पत्नी के साथ शादी की तस्वीरें हटा दी थीं, जिससे उनके फॉलोअर्स काफी टेंशन में आ गए थे, लेकिन उन्होंने फिर से उन्हें अपने पेज पर अनआर्काइव कर दिया था. अब फिरोज ने इंस्टाग्राम पर डॉ. जैनब अनफॉलो कर दिया है, जिससे फिर से दोनों में अनबन की अफवाहें उड़ रही हैं.हालांकि, फिरोज खान के ऐसा करने की वजह अभी नहीं पता चल पाई है. लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों के बीच कई सवाल पैदा हो गए हैं. लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या फिरोज दोबारा अपनी पत्नी से अलग होने वाले हैं?

साल 2018 में की थी पहली शादी

फिरोज खान की पहली शादी साल 2018 में सईदा अलीजे फातिमा रजा से हुई थी, लेकिन शादी के 4 साल बाद ही 2022 में फिरोज ने अपनी पहली बीवी सईदा अलीजे से तलाक ले लिया था. उनकी पहली बीवी ने उनपर मारपीट करने और उन्हें टॉर्चर करने के आरोप लगाए थे, जिसके बाद फिरोज के खिलाफ मामला भी दर्ज हुआ था. पहली शादी से फिरोज को एक बेटी और एक बेटी भी है.

जून में की थी दूसरी शादी

फिरोज खान ने इसी साल जून में दूसरी शादी की थी. एक्टर ने खुद अपनी नई नवेली दुल्हन के साथ अपनी शादी की फोटोज शेयर कर अपनी जिंदगी में अपनी दूसरी बीवी का वेलकम किया था. दूसरी शादी करने पर लोगों ने फिरोज खान को खूब ट्रोल भी किया था. इसी बीच, फिरोज खान का अपनी दूसरी बीवी को अनफोलो करना सोशल मीडिया पर गॉसिप का टॉपिक बन गया है.

पाकिस्तानी इंडस्ट्री हुई फिरोज के खिलाफ

फिरोज खान की पहली पत्नी सईदा अलीजे ने उन पर घरेलू हिंसा और बेवफाई के आरोप लगाए थे. अलीजे के दावों और सबूतों के बाद पाकिस्तानी इंडस्ट्री फिरोज खान के खिलाफ खड़ी हो गई थी. कई सेलेब्स ने उन्हें बैन करने की मांग की थी.

अमिताभ बच्चन की वो फिल्म, जिसमें मनोज बाजपेयी के सामने खड़ा हो गया असली भेड़िया, फिर ऐसे बचाई थी अपनी जान

मनोज बाजपेयी फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं. उन्होंने कई सारी हिट फिल्में दी हैं. अक्सर मनोज बाजपेयी इंटरव्यू और पॉडकास्ट के दौरान अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में बात करते नजर आते हैं. हर बार उन्होंने अपने खुद के रोल को चैलेंज किया है और उसमें से बेस्ट ऑडियंस के सामने पेश किया है. कुछ वक्त पहले उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ आई फिल्म 'अक्स' की शूटिंग के दौरान का एक किस्सा लोगों से शेयर किया, जो कि सुनने में मजेदार ही नहीं, डरावना भी है.

साल 2001 में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की डायरेक्ट की फिल्म 'अक्स- द रिफ्लेक्शन' रिलीज हुई थी. इसमें अमिताभ बच्चन, रवीना टंडन और मनोज बाजपेयी लीड रोल में थे. मनोज बाजपेयी ने इस फिल्म में निगेटिव कैरेक्टर प्ले किया. ये फिल्म एक्शन थ्रिलर थी. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक किस्सा शेयर करते हुए मनोज बायपेयी ने बताया कि उनका सामना एक भेड़िए से हुआ था. पहले तो लोगों ने इसे मजाक में लिया फिर मनोज ने बताया कि वो सच में सेट पर भेड़िया का शिकार होते-होते बचे हैं.

सामने आकर खड़ा हो गया था भेड़िया

मनोज बाजपेयी ने बताया कि जब वो फिल्म की शूटिंग कर रहे थे तो उनके सामने अचानक से एक भेड़िया आ गया था. उसको देखते ही मनोज बाजपेयी की सांसें थम गईं और वो काफी डर गए थे. उन्होंने कहा, मैं इतना घबरा गया था कि मैं खुद को उससे बचाने के लिए पास खड़ी वैन के ऊपर कूद गया और अपनी जान बचाई. मनोज बाजपेयी ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने अपने रोल के लिए बहुत मेहनत की थी. एक सीन की शूटिंग उन्हें 10 डिग्री टेम्प्रेचर में करना पड़ा था, ये शूटिंग बुडापेस्ट में हुई थी.

फिल्म को मिले 3 फिल्मफेयर अवॉर्ड

उनकी इस फिल्म ने कुछ खास कमाल नहीं किया था, लेकिन 47वें फिल्मफेयर अवॉर्ड के दौरान फिल्म ने 3 अवॉर्ड जीते, जिसमें बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) के लिए अमिताभ बच्चन, स्पेशल अवॉर्ड परफॉर्मेंस रवीना टंडन और बेस्ट साउंड डिजाइन के लिए रंजन को सम्मानित किया गया. इसी अवॉर्ड में बेस्ट विलेन के लिए मनोज बाजपेयी का नाम नॉमिनेट किया गया था.

फिल्म की कहानी की बात करें तो ये कहानी दो किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है. इसमें अमिताभ बच्चन ने एक पुलिस ऑफिसर और मनोज बाजपेयी ने सीरियल किलर का किरदार निभाया है. ये कहानी सुपरनैचुरल पावर पर बेस्ड है.

कॉल मी बे रिव्यू: इसी वेब सीरीज के लिए पैदा हुई हैं

अनन्या पांडे

अमीर लड़की की गरीब कहानी, ये पू है लेकिन

पू बनी पार्वती... करण जौहर और एकता कपूर की देन हैं ये दो किरदार. कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर ने चुलबुली, फैशनेबल और कॉन्फिडेंस से लबरेज लड़की का किरदार निभाया था, जिसका नाम था पूजा. कम उम्र और आधुनिक दौर की पूजा ने अपना निक नेम रख लिया था पू. जिसे कॉलेज में सब इसी नाम से बुलाते थे. अब आते हैं एकता कपूर की पार्वती पर.

ये किरदार था कहानी घर-घर की सीरियल में, जिसे साक्षी तंवर ने निभाया था. ये सीरियल और रोल इतना पॉपुलर हुआ कि पार्वती संस्कारी बहू-बेटी का पर्यावाची बन गया. अब करण जौहर के धर्माटिक प्रोडक्शन में बनी लेटेस्ट वेब सीरीज देखेंगे तो आपको अनन्या पांडे के किरदार बेला को देखकर यही सब दिमाग में तैरने लगेगा.

अनन्या पांडे ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से एक्टिंग डेब्यू किया था और अब 5 साल बाद उन्हें की वेब सीरीज से ओटीटी डेब्यू किया है. ये चंकी पांडे की बेटी की पहली सीरीज है, जो बेहद अमीर लड़की की गरीबी की कहानी पर बनी है. सीरीज में बेला ने भी अपना निक नेम रखा है बे. वह हर किसी को इसी नाम से पुकारने को कहती हैं.

कॉल मी बे की कहानी

दिल्ली के रईस खानदान में बेला (अनन्या पांडे) का जन्म हुआ. पिता ने दूसरी शादी की. अब उनके एक बेटा समर राजवंश (शिव मंसद) और एक बेटी बेला है. इनकी मां गायत्री राजवंश (मिनी माथुर) हैं, जो परिवार की अमीरी सोच में 2 चम्मच चतुराई की चाशनी घोलने का काम करती हैं. परिवार दिल्ली के सबसे रईस खानदान में से एक हैं जो कभी राजस्थान की शाही फैमिली हुआ करते थे और फिर दिल्ली आकर बस गए. समय के साथ साथ परिवार के हिस्से होते गए और दौलत कम पड़ती गई. प्राइवेट जेट, डायमंड, ब्रैंड्स और ऑडी जैसी गाड़िया बिल्कुल आम है.

अमीरी में इनका कोई जवाब नहीं, लेकिन दिक्कतें वही है जो एक समाज में होती है. बेटा-बेटी की परवरिश में वो अंतर साफ दिख जाएगा जिसे एक आम लड़की अपनी जिंदगी में झेल चुकी होती है या वो महसूस किया होता है. गायत्री की बेटी बेला काफी खूबसूरत है.

वह बहुत चीजें करना तो चाहती हैं लेकिन फैमिली उसे लेकर बहुत कैलकुलेटिव हैं. वह नहीं चाहते कि बेटी एमबीए में समय बर्बाद करे. बल्कि वह तो चाहते हैं बेला समय से रईस खानदान में शादी करें और परिवार के बिजनेस में चार चांद लगाए.

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात प्रभारी ने ग्रामीण स्तर पर चलाया जागरूकता अभियान

शिवपुरी - माननीय सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के दिशा निर्देशानुसार सडक दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली मृत्यु एव घायलो की संख्या मे कमी लाये जाने हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षैत्रों में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जावे। इसी क्रम में आज दिनांक 10/09/2024 को थाना प्रभारी यातायात धनंजय शर्मा एवं यातायात बल द्वारा थाना पोहरी के अन्तर्गत ग्राम भटनावर में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आ?ोजन किया गया। ग्रामीण क्षैत्रों में सडक दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यातायात नियमों की जानकारी न होना है। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित आमजनों को विगत वर्ष 2023 के जिले में घटित सडक दुर्घटनाओं के आकडों को बताया गया जिसमें जिले में कुल 1178 सड़क दुर्घटना घटित हुई जिसमें 354 लोगो की मृत्यु हुई एवं पोहरी अनुभाग के अन्तर्गत कुल 131 सड़क दुर्घटनाओं में 42 लोगों की मृत्यु एवं 121 लोगों के घायल होने की जानकारी से अवगत कराया गया साथ ही ग्रामीण जन को बताया गया कि हादसों में सबसे ज्यादा उनलोगों की मृत्यु होती है जो दो पहिया वाहन चालते समय हेलमेट का प्रयोग नही करते एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट नही पहनते है। ग्रामीणजनों से अपील की गई की जब भी दो एवं चार पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीटबेल्ट का प्रयोग अवश्य करें एवं यातायात के नियमों के पालन करने से आपके एवं

आपके परिवार की जिन्दगी बच सकती है।

प्रायः देखने में आता है कि ग्रामीण क्षैत्रों में ट्रेक्टर ट्रालियों के पीछे कम रोशनी होने एवं रेडियम रिफ्लेक्टर न होने के कारण भी दुर्घटना घटित होती है, ग्रामीणों को समझाइश दी गई कि अपने अपने ट्रेक्टर ट्रालियों के पीछे रेडियम रिफ्लेक्टर लगायें जिससे सडक दुर्घटनों को कम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणजनों को रेडियम रिफ्लेक्टर एवं यातायात नियमों संबंधी पेम्पलेट भी वितिरित किये गये। साथ ही वाहन चालकों से अपील की गई कि प्रतिवर्ष अपना नेत्र परीक्षण कराये एवं कोई भी नशा करके वाहन न चलाये। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में शासन द्वारा चलायी गुड सेमेरिटन योजना एवं हिट एण्ड रन मुआवजा योजना 2022 के बारे में जानकारी प्रदाय की गई गुड सेमेरिटन योजना में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आव्हर में नजदीकी अस्पताल में पहुचाने वाले व्यक्ति को 5000/-रू का नगद पुरूष्कार एवं प्रशंसा पत्र प्रदाय किया जाता है। इसी प्रकार है हिट एण्ड रन मुआवजा योजना 2022 के तहत सड़क दुर्घटना में अज्ञात वाहन से गंभीर घायल एवं मृत्यु होने पर गंभीर घायल को 50000/- रू एवं मृतक के वारिसों को 200000/- रू की आर्थिक सहायता शासन की ओर से प्रदाय की जाती है। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में ग्राम पंचायत भटनावर के सरपंच श्री संजय अवस्थी का सराहनीय सहयोग रहा जिसमें लगभग 200 ग्रामीणजनों उपस्थित हुए। ग्रामीणजनों द्वारा उक्त जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की गई।

नगर रन्नौद में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष जांच कैंप का आयोजन किया गया

प्रदीप जैन (पिंटू) रन्नौद

श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश डॉक्टर संजय ऋषिश्वर एवं बीएमओ बदरवास डॉ चेतेंद्र कुशवाह निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय शर्मा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रन्नौद द्वारा आज दिनांक 10 9 2024 को गर्भवतियों के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया जिसका समय सुबह 11~00 बजे से शाम 6~00 बजे तक रखा गया जिसमें सभी प्रकार की जांच खून एवं पेशाब संबंधी निशुल्क की गई। विशेष कैंप में 158 गर्भवतियों की जांच एवं परीक्षण किया गया जिसमें 50 आदिवासी महिलाएं थी।। कुल 158 महिलाओं में से 64 हाई रिस्क गर्भवतियों की पहचान की गई जिसमें 25 आदिवासी हाई रिस्क गर्भवती है। पांच महिलाओं को प्रसव हेतु जिला अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई। कैंप में निम्नलिखित स्टाफ का सहयोग रहा । कांचना मोर्ले, परवेज खान, रंजीत सिंह, अवधेश प्रजापति भरत जाटव, परमाल जाटव।

संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 12 तथा 14 सितम्बर को शिवपुरी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 12 सितम्बर तथा 14 सितम्बर को शिवपुरी में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री सिंधिया 12 सितम्बर को ग्वालियर से प्रस्थान कर प्रातः 11 बजे शिवपुरी पहुँचेंगे और कत्थामिल स्थित मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करेंगे। प्रातः 12.15 बजे ग्राम हातौद पहुंचकर पीएम जनमन आवास योजना का उद्घाटन तथा अन्य कार्यों का उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 2 बजे सर्किट हाउस शिवपुरी के पास स्थित जनसंपर्क कार्यालय में आमजन की समस्या सुनेंगे। अपराह्न 3 बजे कन्या महाविद्यालय के पास स्थित जल मंदिर शक्ति केन्द्र पर सदस्यता अभियान में शामिल होंगे। कार्यक्रम उपरांत इशाग? के लिए प्रस्थान करेंगे। इसी प्रकार 14 सितम्बर को बमौरी से प्रस्थान कर अपराह्न 4.45 बजे शिवपुरी पहुँचेंगे और माधव चौक पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद नरवर पहुंचकर रात्रि 7.15 बजे स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम उपरांत ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेंगे।

पोषण माह में सही पोषण,देश रोशन के उद्देश्य को साकार करना ही हमारा लक्ष्यः गिरीश शर्मा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

अटेर । माह सितम्बर 2024 को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। पोषण माह के अंतर्गत परियोजना भिंड ग्रामीण की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर राष्ट्रीय पोषण माह के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है,इस अवसर पर परियोजना भिंड ग्रामीण के आंगनबाड़ी केंद्र भदाकुर में आज मंगल दिवस के अंतर्गत गोद भराई का कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 10 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के रूप में मनाया गया । आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को एल्बेंडाजोल की गली का वितरण किया गया।ग्राम वासियों को कुपोषण पर जागरूक होने के लिए बताया गया । गिरीश शर्मा द्वारा बताया गया कि भारत की आबादी का लगभग 20 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की शिकार हैं इसके लिए जरूरी है कि उनके सही खानपान, पोषण और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य पोषण संबंधित विभिन्न योजनाओं के बीच तालमेल स्थापित करना और एक सूत्र निगरानी तंत्र के जरिए चरणबद्ध तरीके से लक्ष्य को हासिल करना है जिससे कि एक सशक्त भारत का निर्माण किया जा सके इस कार्यक्रम के जरिए कुपोषण पर जागरूकता फैलाने के लिए भी लोगों को जागरूक किया गया। गिरीश शर्मा द्वारा ग्राम वासियों को सही खान-पान के बारे में बताया एवं जंक फूड खाने से होने बाले नुकसान भी बताए गए। इस इस कार्यक्रम में परियोजना भिंड ग्रामीण से विकासखंड समन्वयक गिरीश शर्मा, स्वास्थ्य विभाग सीएचओ वंदना कुशवाहा एवं ग्राम की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं , सहायिकाएं,आशा कार्यकर्ताएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष के आवाहन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोहद ने विभिन्न समस्याओं को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। मध्य प्रदेश में बढ़ती हुई विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदेशाध्यक्ष जीतूं पटवारी के निर्देश पर मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष गुर्जर के नेतृत्व में महामहिम राष्टपति के नाम गोहद एसडीएम पराग जैन को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मध्यप्रदेश में काबिज भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति से प्रदेश के सवैधानिक मुखिया होने के नाते आप भली प्रकार अवगत है। प्रदेश की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार घोटाले, भ्रष्टाचार, जनविरोधी, किसान विरोधी एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिलाओं, बालिकाओं के साथ दुराचार, अजा, अजजा, अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार आदि मुद्दों पर पूर्णतः निष्क्रिय रही है। पूरे प्रदेश में त्राहि-त्राहि की स्थिति बनी हुई है, इन सभी समस्याओं की ओर आपका ध्यान

आकर्षित करने के लिए कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर धरना-प्रदर्शन कर रही है। गुर्जर ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि भारी आर्थिक परेशानी से जूझ रहा है क्योंकि भारी वर्षा होने तथा खाद बीज की कमी से किसानों की फैसले खासतौर पर सोयाबीन उड़द धान एवं अन्य दलहन पूरी तरह खराब हो रही है इसके बावजूद किसानों को भारी भरकम बिजली के बल दिए जा रहे हैं वहीं भ्रष्टाचार के चलते प्रदेश भर में सड़कों की हालत करता हो गई है जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाओं में वृद्धि होती जा रही है क्योंकि सड़क निर्माण एवं मरम्मत कर में इस समय करोड़ों का भ्रष्टाचार हो रहा है साथ ही प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के चलते महिलाओं अबोध बालिकाओं से दुराचार की घटनाएं प्रदेश के हर जिले में बढ़ रही है। इसके अलावा उन्होंने कहा किसने की बर्बाद फसलों का उचित मुआवजा उनकी फसलों को बड़ी दरों पर खरीदने सरकार द्वारा बिजली की दरों में वृद्धि को कम करने तथा अलग अलग वर्गों पर हो रहे अत्याचार को तत्काल रोकने आदि मुद्दों पर उचित कार्रवाई करने हेतु राज्य सरकार को निर्देशित करने का किया गया। ज्ञापन देने वालों में गणेशराम शर्मा, विजय टोनी मुद्गल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजू जगदीश माहौर, मुन्नी भटेले,गुड्डू भदोरिया, प्रमोद शुक्ला, राजेंद्र परिहार, सरदार मलकीत सिंह सिघाडिया,राहुल देसाई, कैलाश माहौर, पिंकी उचाडिया, महेश कौशल, अजय देशाई, गुट्टी शर्मा, आदि उपस्थित थे

शिवपुरी जिले के बदरवास जनपद के ग्राम घुरवार खुर्द में करंट लगने से हुई भैंस कि मौत

किसान कि भैस के लगा करंट करंट लगने से हुई भैंस कि मौत

शिवपुरी। बदरवास थाना क्षेत्र के ग्राम घुरवार खुर्द में किसान कि भैस के करंट लगने से हुई मौत। मोनू पुत्र/पप्पू यादव निवासी ग्राम घुरवार खुर्द ने बिजली विभाग में सुचना दी और बदरवास थाना जा कर भैंस कि रीपोर्ट दर्ज कराई और पटवारी को बुलवाया पटवारी ने आकर पंचनामा भी बनाया (मौके पर मौजूद लोगों ने जानकारी दी) मोनू यादव कि भैस चारा चरने को गई। थीं। आबादी फिडर बांसखेड़ा लाइन चालू थी अचानक भैंस डिपी के अर्थ से जा टकराई और भैंस कि हो गई मौत। मोनू पुत्र/पप्पू यादव ने बताया कि भैस 5-6 लीटर दूध देती थी और उसकी रेट करीब 60 हजार रुपए थी । इस के चलते किसान का हुआ नुकसान।

जिला मुख्यालय पर कलेक्टर ने की जनसुनवाई

जनसुनवाई में मोहन सिंह एवं अवधेश सिंह को मौके पर ही मिली ट्राईसाईकिल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्ट्रेट में आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी योजना जनसुनवाई में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान 108 से अधिक आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय,संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी,शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। जनसुनवाई के दौरान फरियाद लेकर आने वाले ग्राम चिनकूपुरा गोहद के निवासी मोहन सिंह जाटव पुत्र विद्याराम एवं ओझा नगर अटेर रोड़ बंबा के निवासी अवधेश सिंह पुत्र मनीराम सिंह द्वारा दिव्यांगता के कारण दैनिक

दिनचर्या के कामों में होने वाली परेशानी के बारे में अवगत कराया गया। जिस पर कलेक्टर ने श्री मोहन सिंह एवं श्री अवधेश सिंह की परेशानियों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुये तत्काल संज्ञान लेकर सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराई। अपनी समस्या का निराकरण हो जाने पर मोहन सिंह एवं अवधेश सिंह ने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं में बैंक ऋण, बीपीएल राशन कार्ड, जमीन पर कब्जा एवं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराने से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

खरगोन पुलिस साइबर सेल ने गुम मोबाइल फोन ढूंढकर आवेदकों को किए सुपुर्द

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

गुम हुए 100 मोबाइल फोन उनके धारकों को कराए गए वापस, आईफोन, वन प्लस, सेमसंग, रेडमी, विवों, ओप्पो, आईफोन आदि कम्पनियों के मंहगे मोबाईल फोन भी हुये बरामद, गुम हुए मोबाईलो को वापस पा कर आवेदकों के चेहरे पर लौटी खुशी.,,मोबाईल धारकों को वापस किए गए मोबाईलो की कीमत लगभग 15,00,000/- (पंद्रह लाख) रुपये **उक्त मौके पर चलाया गया साइबर जागरूकता कार्यक्रम**-पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक श्री मनोहरसिंह बारीया के मार्गदर्शन में जिले में गुम हो रहे मोबाइलों के संबंध में साइबर सेल टीम उन्हे ढूँढने के लिए निर्देशित किया गया था । पुलिस अधीक्षक खरगोन के उपरोक्त निर्देशों के परिपालन में साइबर सेल मे कार्यरत प्रभारी उनि दीपक तलवारे के नेतृत्व में साइबर सेल में पदस्थ प्रआर. 777 आशीष अजनारे, आर.275 अभिलाष डोंगरे, आर.10 मगन अलावा, आर.238 विजेंद्र वास्केल, आर. 847 सोनू वर्मा, आर. 693 सचिन चौधरी द्वारा सक्रियता दिखाते हुए बड़ी मेहनत एवं लगन के साथ कार्य करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे प्राप्त एवं थाने से आए हुए गुम मोबाइलों के आवेदन को एकत्र कर उन्हे तकनीकी सहायता की मदद से गुम हुए कुल 100 नग मोबाइल को खोजने में सफलता हासिल हुई। उक्त 100 मोबाइलों को संबंधित थानों को सूचित कर मोबाइलों को पुलिस कब्जे में ले जाकर दिनांक 10/09/2024 को पुलिस कंट्रोल रूम खरगोन बुलवाया गया और उन्हे उनके मालिकों के सुपुर्द किया गया । अपने खोए हुए मोबाईलो को पाकर मोबाईल धारकों द्वारा पुलिस को धन्यवाद दिया गया । उक्त 100 मोबाइलों की कीमत लगभग 15,00,000/- रुपये हैं, खोजे गए 100 मोबाइल में सैमसंग, ओप्पो, वीवो, रेडमी, टेक्नो, रियलमी, वन प्लस, पोक्को, आईफोन आदि कंपनियों के मोबाइल खोजे गए हैं, जिन्हें पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा आज मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया जा रहा है 7 पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा मोबाईल वापस करते समय बताया गया कि, कोई भी लावारिस मोबाइल या वस्तु मिलने पर तुरंत संबंधित थाने में सुपुर्द करें या कंट्रोल रूम खरगोन को सूचित करें । उक्त मौके पर मोबाईल लेने आए लोगों को वित्तीय ऑनलाइन फ्रॉड संबंधी जागरूक किया गया एवं बताया गया कि अपने बैंक संबंधी जानकारी जैसे की,ञ्जरूष्टञ्ञ ह्स्न्ब्ध्क्रष्ठ्ङ्क,ह्ञक, क्द्व क्द्वह आदि जानकारी किसी भी व्यक्ति से साझा न करे । किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए स्रूस्र या ड्डश्चक्र ख्द्बह्य पर क्लिक न करे । कोई भी रीमोट ऐप्लकैशन जैसे की,ह्ड्ड ष्ठश्वस्य ञ्ज्ञश्वरूड्ढध्श्वड्डश्वक्र आदि को किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर को इंस्टॉल न करे । गूगल या अन्य किसी सर्च इंजन पर किसी भी कस्टमर केयर का हेल्पलाइन नंबर सर्च करने पर उस नंबर पर काल करने से पहले उसकी पुष्टि कर ले और उससे भी किसी भी प्रकार की बैंक संबंधी जानकारी साझा न करे । किसी भी प्रकार का ऑनलाइन फ्रॉड होने पर उसकी शिकायत 1930 पर दर्ज करे।

कुल प्रणेता श्री महर्षि दाधीचि जंयंती आज

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू~ कर्नाटक महर्षि दाधीच परिषद् बेंगलूरू के तत्वावधान में दिनांक 11 सितम्बर 2024 बुधवार को- कुल प्रणेता श्री महर्षि दधीचि जयंती का महोत्सव बंनरगट्टा रोड आशापुरा मंदिर स्थित समाज भूखण्ड परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष नथमल पाटोदिया ने बताया कि प्रातः~ 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। उसके बाद मंगल पाठ एवं भजन कीर्तन कार्यक्रम होगे।

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। ट्रकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

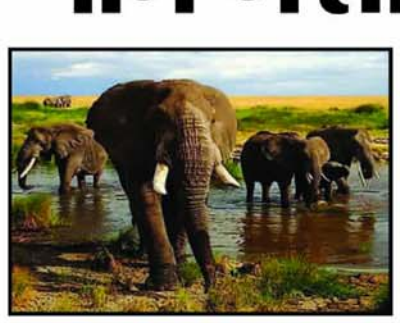

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पैसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **देवेन्द्रनगर**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **देवेन्द्रनगर** की वार्षिक आम सभा दिनांक 21.09.2024 समय 02:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — कंछेदी राय
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **देवेन्द्रनगर**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पटनातमोली**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पटना तमोली** की वार्षिक आम सभा दिनांक 24.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — किशुन लाल चौधरी
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पटना तमोली**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कचनारा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कचनारा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 01:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — विद्याचरण मिश्रा
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कचनारा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **महेबा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **महेबा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 02:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — आकाश जैन
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **महेबा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **गौरा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **गौरा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रामदास साहू
प्रशासक — श्रीमती अर्चना गुप्ता

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **गौरा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सलेहा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सलेहा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 24.09.2024 समय 02:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — आकाश इंदौलिया
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सलेहा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **शाहनगर**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **शाहनगर** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 10:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — बृजेश दुबे
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **शाहनगर**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पगरा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पगरा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 04:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रीतेश ठाकरे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पगरा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बराछ**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बराछ** की वार्षिक आम सभा दिनांक 23.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रूपाली यादव
प्रशासक — श्रीमती अर्चना गुप्ता

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बराछ**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कल्दा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कल्दा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — किशुन लाल चौधरी
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कल्दा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बोरी**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बोरी** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 12:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — पंकज तिवारी
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बोरी**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **जसवंतपुरा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **जसवंतपुरा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 26.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — संतोष दुबे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **जसवंतपुरा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **तारा झरकुआ**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **तारा झरकुआ** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — महेन्द्र कुशवाहा
प्रशासक — श्रीमती अर्चना गुप्ता

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **तारा झरकुआ**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सगरा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सगरा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 02:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — किशुन लाल चौधरी
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सगरा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बिसानी**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बिसानी** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 02:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — बृजेश चौबे
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बिसानी**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कमताना**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कमताना** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — संतोष दुबे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कमताना**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **जिगदहा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **जिगदहा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 20.09.2024 समय 10:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — नरेश लोधी
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **जिगदहा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **हरद्वाही**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **हरद्वाही** की वार्षिक आम सभा दिनांक 26.09.2024 समय 11:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — अशोक उपाध्याय
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **हरद्वाही**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैगुवां**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैगुवां** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 04:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — बृजेश चौबे
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैगुवां**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **महुआडाडा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **महुआडाडा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — संतोष दुबे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **महुआडाडा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैगढ़,बिरवाही**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैगढ़, बिरवाही** की वार्षिक आम सभा दिनांक 20.09.2024 समय 12:30, 02:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — नरेश लोधी
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैगढ़, बिरवाही**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बरसोभा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बरसोभा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 26.09.2024 समय 1:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — गौ कुमार चनपुरिया
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बरसोभा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **ताला**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **ताला** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 10:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — बृजेश चौबे
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **ताला**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पुरैना**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पुरैना** की वार्षिक आम सभा दिनांक 29.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — संतोष दुबे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पुरैना**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **भिलसांय**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **भिलसांय** की वार्षिक आम सभा दिनांक 20.09.2024 समय 04:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — नरेश लोधी
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **भिलसांय**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **गुनौर**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **गुनौर** की वार्षिक आम सभा दिनांक 26.09.2024 समय 03:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — दीपक वर्मा
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **गुनौर**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुडौर**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुडौर** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 12:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — राधिका पटेल
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुडौर**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सिमरी**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सिमरी** की वार्षिक आम सभा दिनांक 24.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — संतोष दुबे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सिमरी**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **ककरहटी**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **ककरहटी** की वार्षिक आम सभा दिनांक 21.09.2024 समय 11:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — कन्छेदी राय
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **ककरहटी**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कठवरिया**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कठवरिया** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 11:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रामभुवन पाठक
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **कठवरिया**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **आमा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **आमा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 02:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — राधिका पटेल
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **आमा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैपुरा, मलघन**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैपुरा, मलघन** की वार्षिक आम सभा दिनांक 10.09.2024,11.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — सियाराम लोधी
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **रैपुरा, मलघन**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **श्यामरडाडा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **श्यामरडाडा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 23.09.2024 समय 11:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — उमाशंकर शर्मा
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **श्यामरडाडा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुंगरहा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुंगरहा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 01:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रामभुवन पाठक
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुंगरहा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुंगरहा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुंगरहा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 04:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — राधिका पटेल
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सुंगरहा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **खमरिया, फतेपुर**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **खमरिया, फतेपुर** की वार्षिक आम सभा दिनांक 12.09.2024, 14.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — सियाराम लोधी
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **खमरिया, फतेपुर**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **राजापुर**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **राजापुर** की वार्षिक आम सभा दिनांक 23.09.2024 समय 1:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रामऔतार विश्वकर्मा
प्रशासक — प्रदीप अहिरवार

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **राजापुर**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **छपरवारा**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **छपरवारा** की वार्षिक आम सभा दिनांक 27.09.2024 समय 03:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — मुकेश द्विवेदी
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **छपरवारा**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **अमानगंज**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **अमानगंज** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 10:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रामशरण तिवारी
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **अमानगंज**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बघवारकला**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बघवारकला** की वार्षिक आम सभा दिनांक 20.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — सियाराम लोधी
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बघवारकला**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सथनिया**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सथनिया** की वार्षिक आम सभा दिनांक 24.09.2024 समय 10:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — किशन लाल चौधरी
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **सथनिया**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पटनाकला**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पटनाकला** की वार्षिक आम सभा दिनांक 28.09.2024 समय 11:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — रामभुवन पाठक
प्रशासक — रविन्द्र जैन

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **पटनाकला**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **द्वारी**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **द्वारी** की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.09.2024 समय 12:30 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — संतोष दुबे
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **द्वारी**

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बगरौड़**
वार्षिक आम सभा

समस्त महानुभाव एवं संस्था के अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बगरौड़** की वार्षिक आम सभा दिनांक 21.09.2024 समय 12:00 बजे आहूत की गई है जिसमें आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य है।

समिति प्रबंधक — सियाराम लोधी
प्रशासक — विष्णू दीक्षित

प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित **बगरौड़**

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478